दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309
क्षितिज ✌ किरण
त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र
प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-130 सीहोर, बुधवार 08 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मूसलाधार बारिश से महाराष्ट्र बेहाल, मुंबई-ठाणे सहित छह जिलों में छुट्टी

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने आम जनजीवन की रफ्तार पर पूरी तरह से ब्रेक लगा दिया है। सूबे के विभिन्न अंचलों में भारी जलभराव, सड़कों पर थमी गाड़ियों और उफान मारते नदी-नालों के चलते जनजीवन बेपटरी हो गया है। इस बीच, मौसम विभाग (IMD) द्वारा आगामी 24 घंटों के लिए मूसलाधार बारिश का 'ऑरेंज अलट' जारी किए जाने के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। एहतियात के तौर पर राज्य के छह प्रमुख जिलों में स्कूल और कॉलेजों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए शैक्षणिक संस्थान बंद

लगातार बिगड़ते मौसम और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे, पालघर, नासिक और रायगढ़ जिलों के सभी स्कूलों और कॉलेजों में आज भी अवकाश घोषित किया है। संबंधित जिलाधिकारियों और नगर निगमों द्वारा जारी आधिकारिक आदेशों के अनुसार, यह फैसला सरकारी, निजी, एडेड और अनएडेड सभी तरह के शैक्षणिक संस्थानों पर समान रूप से लागू रहेगा।

भोपाल-राजगढ़ को जोड़ने वाला वैकल्पिक मार्ग बंद, पार्वती नदी का जलस्तर बढ़ने से प्रशासन ने लगाई रोक

भोपाल(ए.) । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और राजगढ़ जिले को आपस में जोड़ने वाले बैरसिया-नरसिंहगढ़ मार्ग पर स्थित पार्वती नदी के अस्थायी वैकल्पिक मार्ग से आवागमन को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। सोमवार देर रात बैरसिया एसडीएम आशुतोष शर्मा ने नदी में बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव को देखते हुए यह आपातकालीन आदेश जारी किए। एसडीएम आशुतोष शर्मा द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के मुताबिक, लगातार हो रही बारिश के कारण पार्वती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। पानी का स्तर बढ़ने से मेघरा नवीन गांव के पास नदी के बीचों-बीच बनाया गया अस्थायी वैकल्पिक मार्ग पूरी तरह डूब चुका है। पानी का बहाव इतना तेज है कि यहां से किसी भी वाहन या व्यक्ति का गुजरना अत्यंत जोखिमपूर्ण और जानलेवा साबित हो सकता है।

करूर भगदड़ मामले में DMK को सुप्रीम कोर्ट से फटकार

करूर ,(आरएनएस)। करूर भगदड़ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें सत्तारूढ़ तमिलनाडु वेत्री कड़गम (टीवीके) के नेताओं पर सार्वजनिक बयानबाजी करने से रोक लगाने की मांग की गई थी। डीएमके ने अपनी याचिका में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और मंत्री आधाव अर्जुना सहित टीवीके के शीर्ष नेताओं को ऐसे सार्वजनिक बयान देने से रोकने का निर्देश देने की गुहार लगाई थी, जिससे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की मौजूदा जांच के गवाहों को प्रभावित किए जाने की आशंका जताई गई थी। न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन और आलोक आराधे की पीठ ने सुनवाई के दौरान साफ संकेत दिए कि वह इस याचिका पर विचार करने के पक्ष में नहीं है। अदालत ने कहा, इस याचिका पर यहां जोर न देना ही बेहतर होगा। हम इसे खारिज करने के पक्ष में हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की।

राम मंदिर ट्रस्ट ने 2 साल में 4 कार्यक्रमों पर खर्चे किये 124 करोड़, एसआईटी की नजर

अयोध्या,(आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी के बीच एक नया खुलासा हुआ है, जिसने विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच का दायरा बढ़ा दिया है। एसआईटी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पिछले 2 वर्षों के वित्तीय रिकॉर्ड का ऑडिट कर रही है, जिसमें पता चला है कि ट्रस्ट ने मंदिर के आयोजनों पर 124 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। एसआईटी व्यापक लेखापरीक्षा के तहत खर्चों की जांच कर रही है। हालांकि, अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है।

ट्रस्ट ने 22 जनवरी, 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर सबसे अधिक 113 करोड़ रुपये खर्च किए। कार्यक्रम में 8,000 अतिथि आए थे। यह देश का सबसे महत्वपूर्ण आयोजन था। इस दौरान टेंट-सिटी पर 35.97 करोड़, अक्षत पूजन पर 30.85 करोड़, प्रचार-विज्ञापनों पर 21.77 करोड़, सजावट-प्रकाश पर 14.62 करोड़, भोजन पर 5.11 करोड़, धार्मिक अनुष्ठानों पर 1.06 करोड़, भक्ति संगीत पर 93 लाख, साउंड पर 68 लाख, बिजली-मंडल पूजन पर 43 लाख और विविध 51 लाख रुपये खर्च हुए।

इसके अलावा, 11 से 13 जनवरी, 2025 तक आयोजित पहले प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह पर 83 लाख रुपये खर्च किए गए, जिसमें प्रकाश व्यवस्था और सजावट पर 52 लाख रुपये शामिल हैं। महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं के लिए किए गए इंतजामों पर खर्च किए गए 43 लाख रुपये किए गए हैं। इसके अलावा, 25 नवंबर, 2025 को आयोजित राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह में 10.12 करोड़ रुपये खर्च हुए। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित लगभग 6,000 अतिथि शामिल हुए थे।

शोपियां में दो लश्कर आतंकियों की चौथे दिन भी तलाश

शोपियां,(ए.)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जि़ले में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के दो स्थानीय आतंकियों को पकड़ने के लिए चलाया जा रहा सर्च ऑपरेशन मंगलवार को चौथे दिन भी जारी रहा।सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स (सीआरपीएफ) की कई टुकड़ियों की एक संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर रखी है। सुरक्षा बलों ने सोमवार शाम तक चार गांवों में तलाशी पूरी कर ली थी। रात भर रुके रहने के बाद सुरक्षा बलों ने फिर से तलाशी अभियान शुरू किया। रात भर रोके जाने के बाद सुबह होते ही तलाशी फिर शुरू हुई।

राम मंदिर चंदा चोरी पर चंपत राय ने चुप्पी तोड़ी, कहा- मैंने मौन धारण किया

अयोध्या, (आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर चंदा चोरी मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने आखिरकार मंगलवार को अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने राम भक्तों के नाम एक पाती साझा कर कहा कि उनके ऊपर अनेकों लोगों द्वारा अनर्गल आरोप लगाए जा रहे हैं, इसलिए मौन धारण कर लिया है। उन्होंने 17 लाइन के पत्र में लिखा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट आने पर वह सिलसिलेवार तरीके से हर सवाल का जवाब देंगे।राय ने पत्र में लिखा, पिछले 7 जून, 2026 से, श्री रामजन्मभूमि मन्दिर परिसर के दानपात्र की गणना के समय की गई चोरी के संबंध में अनेक प्रकार की चर्चाएं चल रही हैं, व्यक्तिगत मेरे ऊपर अनेको ने अनर्गल आरोप लगाए हैं, मैंने मौन धारण कर लिया है।

जम्मू-कश्मीर में बारिश का कहर, डोडा में बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त

जम्मू ,(आरएनएस)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले से कुदरत के कहर की एक बड़ी खबर सामने आई है। क्षेत्र में जारी मूसलाधार बारिश के चलते मंगलवार को थथरी शहर के ऊंचाई वाले इलाकों में अचानक भीषण बाढ़ (फ्लैश फ्लड) आ गई। इस प्राकृतिक आपदा के कारण पहाड़ी से आए मलबे और पानी के तेज बहाव की चपेट में कई घर, दुकानें और वाहन आ गए, जिससे उन्हें आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस पूरी घटना में किसी भी तरह के जानी नुकसान या किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

बादल फटने जैसी स्थिति से मची तबाही

स्थानीय प्रशासन और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, थथरी के ऊपरी पहाड़ी क्षेत्रों में सुबह अचानक मूसलाधार बारिश शुरू हुई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। पहाड़ों से कंकड़-पत्थर और भारी मात्रा में कीचड़ नीचे रिहायशी इलाकों की तरफ बहकर आने लगा।

अचानक आई इस बाढ़ के कारण थथरी बाजार और आसपास की सड़कों पर पानी भर गया, जिससे वहां खड़ी गाड़ियां मलबे में दब गईं और कई दुकानों व मकानों के निचले हिस्सों में पानी घुस गया। अचानक हुए इस जलप्रपात से स्थानीय निवासियों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई।

केतन हत्याकांड में बड़ा खुलासा, सिया ने प्रेमी चेतन से पहले ही कर ली थी शादी

पुर्णे(आरएनएस)। पुणे के चर्चित लोहागढ़ किला हत्याकांड में नया मोड़ सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, मुख्य आरोपी सिया गोयल ने कारोबारी केतन अग्रवाल से तय शादी से कई महीने पहले ही अपने प्रेमी चेतन चौधरी से कथित तौर पर गुपचुप शादी कर ली थी। सूत्रों के मुताबिक, सिया गोयल और चेतन चौधरी ने करीब चार महीने पहले स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अपनी शादी का पंजीकरण कराया था। हालांकि, इसी साल फरवरी में सिया की सगाई पुणे के 25 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल से हुई थी और दोनों की शादी नवंबर में होने वाली थी।

केरलम के वायनाड में सुरंग परियोजना स्थल पर भीषण भूस्खलन; पांच की मौत, कई लोग फंसे, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

वायनाड,(आरएनएस)। केरलम के वायनाड जिले में मंगलवार को भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ है, जिसमें अब तक 5 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। अभी कई लोग मौके पर फंसे हुए हैं। हादसा मेप्पडी के पास कल्लाडी में एक सुरंग सड़क परियोजना स्थल पर मीनाक्षी पुल के पास हुआ है। यहां मलप्पुरम और वायनाड जिलों को जोड़ने वाली अनाक्कोम्पोयिल-मेप्पडी सुरंग परियोजना का काम चल रहा है। मौके पर बचाव दल के कर्मी मौजूद हैं।भूस्खनल के बाद कलपेट्टा से अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। अग्निशमन और बचाव सेवा, पुलिस और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमें बचाव अभियान चला रही हैं। स्थानीय निवासियों ने घटनास्थल से 3 लोगों को बचाया है, जो सुरंग परियोजना से जुड़े मजदूर बताए जा रहे हैं। वे मौके पर ठहरे हुए थे। प्रभावित क्षेत्र में कुछ घर और होमस्टे भी हैं। मौके पर 10 लोगों के फंसे होने की संभावना है।

कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स अकाउंट बहाल होगा, केंद्र सरकार ने नहीं जताई आपत्ति

नईदिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के एक्स अकाउंट को बहाल करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने यह आदेश तब दिया, जब केंद्र सरकार ने स्वीकार किया कि उसे इस पर कोई आपत्ति नहीं है और खाते को बहाल किया जा सकता है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में पेश हुए थे। उन्होंने कहा कि खाता अनब्लॉक किया जा सकता है।

कोर्ट में पेश मेहता ने कहा कि यह अकाउंट राष्टीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधित किया गया था। मेहता ने कहा, इसे उस समय ब्लॉक किया गया जब नीट परीक्षा होने वाली थी। लाखों छात्र परीक्षा में बैठने वाले थे। कई पोस्ट थीं, जिनसे छात्रों और अभिभावकों के बीच अफरा-तफरी मच सकती थी। अब परीक्षा समाप्त हो चुकी है। मेहता ने कहा, मुझे कोई दिक्कत नहीं है। मैं कहना चाहता हूं सभी लोग सतर्क रहें।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामला

गुजरात हाईकोर्ट ने 38 दोषियों की फांसी और 11 की उम्रकैद बरकरार रखी

अहमदाबाद,(ए.)। गुजरात उच्च न्यायालय ने वर्ष 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में विशेष अदालत के ऐतिहासिक फैसले को बरकरार रखते हुए 38 दोषियों की फांसी और 11 दोषियों की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। इस आतंकी हमले में 56 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 246 लोग घायल हुए थे।न्यायमूर्ति ए.वाई. कोगजे और एस.जे. दवे की खंडपीठ ने आज मंगलवार को यह फैसला सुनाया। साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को पीड़ितों और उनके परिजनों को मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 5 लाख रुपये और सामान्य रूप से घायलों को 01 लाख रुपये का मुआवजा 31 मार्च 2027 तक देने का आदेश दिया है।

26 जुलाई 2008 को हुए थे सिलसिलेवार धमाके

26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद में 70 मिनट के भीतर सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। इस सीरियल ब्लास्ट में बमों को साइकिलों पर रखे टिफिन बॉक्स के अंदर छिपाकर प्लांट किया गया था। इसके दो दिन बाद सूरत के विभिन्न स्थानों से भी बम बरामद किए गए थे, हालांकि वे फटे नहीं थे। मामले की जांच में पुलिस ने 100 से अधिक लोगों को आरोपित बनाया था, जिनमें से 78 पर मुकदमा चला।

2022 में विशेष अदालत ने सुनाया था फैसला

फरवरी 2022 में विशेष अदालत ने 77 आरोपितों में से 49 आरोपितों को दोषी ठहराया था, जबकि 28 आरोपितों को बरी कर दिया था। बरी किए गए लोगों में मुबीन शेख और मंसूर पीरभॉय भी शामिल थे, जिन पर धमाकों की साजिश रचने और धमकी भरे ई-मेल भेजने का आरोप था।दोषियों में प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया(सिमी) के पूर्व नेता सफदर नागौरी सहित गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, केरल समेत 11 राज्यों के आरोपित शामिल हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपितों ने बाद में इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) नाम से नया आतंकी संगठन बनाया था।

यूएपीए सहित कई धाराओं में हुई सजा

सभी दोषियों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया। उन पर हत्या, हत्या का प्रयास, आपराधिक साजिश, देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने का प्रयास, राजद्रोह तथा आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने जैसे गंभीर आरोप सिद्ध हुए।इस मामले में अहमदाबाद की 20 और सूरत की 15 एफआईआर सहित कुल 35 मामलों को एक साथ जोड़कर सुनवाई की गई। लंबे समय तक चले इस मुकदमे में अभियोजन पक्ष ने 1,163 गवाहों के बयान दर्ज कराए। इनमें 26 प्रमुख गवाहों की पहचान सुरक्षा कारणों से गुप्त रखी गई थी।

सड़क की बदहाल स्थिति से परेशान कॉलोनीवासी

करोड़ों की योजनाओं के दावे करने वाला प्रशासन एक कॉलोनी की सड़क तक नहीं कर पा रहा दुरुस्त समय रहते नहीं हुई मरम्मत तो बदहाल सड़क किसी बड़ी दुर्घटना की बन सकती है वजह

भोपाल (संदीप पंडा)। राजधानी के नीलबड़ स्थित शिव विहार कॉलोनी की सड़क इन दिनों बदहाल व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही की जीती-जागती तस्वीर बन गई है। सीवेज पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी गई, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद उसकी समुचित मरम्मत नहीं की गई। बरसात शुरू होते ही सड़क पूरी तरह गड्ढों और कीचड़ में बदल गई है। हालत यह है कि दोपहिया वाहन चालक आए दिन फिसलकर गिर रहे हैं, जबकि चार पहिया वाहन भी सड़क पर नियंत्रण खो रहे हैं। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि यह सड़क पहले भी खराब थी, लेकिन सीवेज लाइन डालने के बाद स्थिति और अधिक गंभीर हो गई। पहली ही बारिश ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की पोल खोल दी। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण दे रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और मरीजों को हो रही है। अभिभावक बच्चों को स्कूल छोड़ने और लाने के दौरान हर दिन दुर्घटना की आशंका के बीच सफर करने को मजबूर हैं। बारिश के दौरान सड़क और गड्ढों में फर्क करना मुश्किल हो जाता है, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। रहवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद जिम्मेदार विभाग ने अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो कोई बड़ी दुर्घटना होना तय है। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी गंभीर हादसे का इंतजार कर रहा है, या फिर जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल कार्रवाई करेगा? रहवासियों की मांग है कि सड़क की तत्काल मरम्मत कर उसे आवागमन योग्य बनाया जाए, सीवेज कार्य की गुणवत्ता की जांच कर दोषी एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई की जाए तथा बरसात के दौरान दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए जाएं।

मुख्य समस्याः-
सीवेज पाइपलाइन डालने के बाद सड़क की मरम्मत नहीं।
बारिश में सड़क दलदल और गड्ढों में तब्दील।
दोपहिया व चारपहिया दोनों के लिए खतरनाक मार्ग।

सबसे ज्यादा प्रभावितः-
स्कूली बच्चे
अभिभावक
बुजुर्ग
महिलाएं
मरीज एवं एम्बुलेंस

स्थानीय लोगों की मांगः-
तत्काल सड़क का पुनर्निर्माण।
सीवेज कार्य की गुणवत्ता की जांच।
दोषी एजेंसी पर कार्रवाई।
बरसात में अस्थायी सुरक्षा व्यवस्था।

यात्रियों की सुविधा हेतु 03 विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भोपाल मंडल के गुना, शिवपुरी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी एवं आसपास के यात्रियों को मिलेगा सीधा लाभ

भोपाल (निप्र)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ एवं यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा भोपाल मंडल होकर संचालित विभिन्न विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन किया जा रहा है। इस निर्णय से पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के गुना, शिवपुरी, बीना, रानी कमलापति, इटारसी एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को इन विशेष रेलगाड़ियों की अतिरिक्त सुविधा का लाभ मिलेगा।

संचालन अवधि का विवरण इस प्रकार है—
1.गाड़ी संख्या 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी- बांद्रा टर्मिनस विशेष गाड़ी एवं गाड़ी संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी विशेष गाड़ी का संचालन 16 जुलाई से 29 अगस्त 2026 तक 07-07 अतिरिक्त फेरों के साथ किया जाएगा। 2.गाड़ी संख्या 04155 सूबेदारगंज-उधना विशेष गाड़ी एवं गाड़ी संख्या 04156 उधना-सूबेदारगंज विशेष गाड़ी का संचालन 16 जुलाई से 01 सितम्बर 2026 तक 14-14 अतिरिक्त फेरों के साथ किया जाएगा। 3. गाड़ी संख्या 04105 प्रयागराज-उधना विशेष गाड़ी एवं गाड़ी संख्या 04106 उधना-प्रयागराज विशेष गाड़ी का संचालन 02 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक 09-09 अतिरिक्त फेरों के साथ किया जाएगा। इन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन अपने निर्धारित मार्ग, समय, ठहराव, रेक संरचना एवं पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार किया जाएगा। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पूर्व ट्रेन की समय-सारणी, परिचालन स्थिति एवं आरक्षण संबंधी अद्यतन जानकारी रेल मदद (139), एनटीईएस अथवा रेलवे की अधिकृत वेबसाइट से प्राप्त कर यात्रा का लाभ लें।

डीआरएम कार्यालय में दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी अभिराम खरे के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 06 जुलाई 2026 से 07 जुलाई 2026 तक दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मंडल के विभिन्न विभागों के 20 कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला का उद्देश्य कर्मचारियों को राजभाषा संबंधी नियमों, अधिनियमों एवं पुरस्कार योजनाओं की जानकारी प्रदान करना तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी एवं व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देना था। इस दौरान प्रतिभागियों को राजभाषा नियमों, अधिनियमों, प्रशासनिक शब्दावली तथा कंप्यूटर पर यूनिकोड के माध्यम से हिंदी में कार्य करने की तकनीक संबंधी विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला के प्रथम दिवस 06 जुलाई 2026 को पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय, जबलपुर से पधारे वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी संतराम मरस्कोले ने राजभाषा नियमों एवं अधिनियमों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। वहीं मुख्यालय, जबलपुर के वरिष्ठ अनुवादक बिपुल मंडल ने कंप्यूटर पर यूनिकोड के माध्यम से हिंदी में कार्य करने की तकनीकी जानकारी प्रदान की। द्वितीय दिवस 07 जुलाई 2026 को भोपाल मंडल के राजभाषा अधिकारी बृजेंद्र कुमार तथा वरिष्ठ अनुवादक दीपक पाटिल ने राजभाषा कार्यान्वयन, कार्यालयीन हिंदी के प्रभावी प्रयोग तथा अन्य राजभाषा संबंधी विषयों पर कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने विषय विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

भोपाल। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने मंगलवार को बाल भवन में आयोजित स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया।

नवनियुक्त इंजीनियरों को आधुनिक तकनीकों और पॉवर प्लांट निर्माण का मिला प्रशिक्षण

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के नवनियुक्त 10 कनिष्ठ अभियंताओं (सिविल) का छह सप्ताह का विशेष तकनीकी प्रशिक्षण राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, नागपुर में आयोजित किया गया। अभियंताओं को ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण, संधारण तथा आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग तकनीकों का गहन सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। छह सप्ताह तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य नवनियुक्त अभियंताओं को विद्युत उत्पादन परियोजनाओं की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित कराते हुए उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों जैसे कंक्रीट टेक्नोलॉजी, मटेरियल टेस्टिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, कार्य मापन, निर्माण पर्यवेक्षण तथा नवीनतम इंजीनियरिंग तकनीकों के अनुप्रयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का प्रमुख आकर्षण महाराष्ट्र के चंद्रपुर और कोराडी स्थित 2×600 मेगावाट सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत इकाइयों का औद्योगिक भ्रमण रहा। इस दौरान प्रशिक्षु अभियंताओं ने निर्माणाधीन विद्युत परियोजनाओं में फाउंडेशन, संरचनात्मक निर्माण एवं परियोजना निष्पादन की प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन कर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

डिजिटल दुनिया में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव

साइबर सिक्योर 2026 अभियान के तहत एमपी ट्रांसको में हुआ साइबर जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के शक्ति भवन मुख्यालय में साइबर सिक्योर 2026 अभियान के अंतर्गत साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश साइबर पुलिस के विशेषज्ञों ने पावर सेक्टर में बढ़ते साइबर खतरों, साइबर अपराधों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी।उप पुलिस अधीक्षक राज्य साइबर पुलिस श्रीमती उमाकांती आर्मो के नेतृत्व में विशेषज्ञों ने एम पी ट्रांसको के कार्मिकों को सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, मोबाइल एप्स के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड तथा साइबर ठगी के नए तरीकों से बचाव के बारे में प्रशिक्षित किया। साथ ही संदिग्ध कॉल, फर्जी लिंक, ई-मेल और डिजिटल लेनदेन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर भी प्रकाश डाला गया। साइबर विशेषज्ञ मोहित पांडे ने पावर सेक्टर पर बढ़ते साइबर खतरों की चर्चा करते हुए साइबर सुरक्षा को ऊर्जा अवसंरचना की सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। साइबर फ्रॉड की स्थिति में त्वरित रिपोर्टिंग और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। वहीं साइबर विशेषज्ञ राज शर्मा ने एआई युग में साइबर सुरक्षा की चुनौतियों, फर्जी ई-मेल से बचाव, प्रमाणित वेबसाइटों के उपयोग और संचार साथी ऐप की उपयोगिता पर जानकारी साझा की। इस अवसर पर लगभग 150 कार्मिकों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

स्कोप डिफेंस अकादमी भोपाल द्वारा 'सुपर-30' छात्रों हेतु निःशुल्क एनडीए प्रशिक्षण का भव्य शुभारंभ

मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव (से.नि.) के मार्गदर्शन में जरूरतमंद प्रतिभाओं को मिलेगी नई उड़ान

भोपाल (निप्र)। सुभाष एक्सीलेंस हायर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल में आज एक गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक अवसर देखने को मिला, जब स्कोप डिफेंस अकादमी, भोपाल द्वारा चयनित 30 मेधावी विद्यार्थियों के लिए एनडीए परीक्षा की तैयारी हेतु एक सघन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का विधिवत उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। सुपर-30 नामक यह विशेष बैच पूर्णत: निःशुल्क है, जो समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के होनहार बच्चों को देश की सबसे प्रतिष्ठित रक्षा परीक्षा उत्तीर्ण करने का स्वर्णिम अवसर प्रदान करेगा। यह संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम एक कुशल सैन्य रणनीतिकार एवं स्कोप डिफेंस अकादमी के निदेशक, मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव (से.नि.) के प्रत्यक्ष दिशा-निर्देशन एवं कुशल नेतृत्व में संचालित होगा। मेजर जनरल श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा, यह केवल एक कोचिंग नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। हमारा लक्ष्य इन 30 चयनित विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक रूप से इतना सशक्त बनाना है कि वे आने वाले वर्षों में भारतीय सशस्त्र बलों के अभिन्न अंग बनकर राष्ट्र का गौरव बढ़ाएं। गौरतलब है कि सुभाष एक्सीलेंस स्कूल परिसर में संचालित होने वाली यह कक्षाएं 7 जुलाई 2026 से औपचारिक रूप से प्रारंभ हो गई हैं। स्कोप डिफेंस अकादमी द्वारा डिज़ाइन किए गए इस पाठ्यक्रम में एनडीए की लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार पर विशेष बल दिया जाएगा। चयन प्रक्रिया में सुभाष स्कूल ,कमला नेहरु स्कूल और मॉडल स्कूल के सैकड़ो आवेदकों में से 30 मेधावी छात्रों का चयन किया गया है। इस भव्य उद्घाटन समारोह में दैनिक क्षितिज किरण के डायरेक्टर श्री विलक्षण सक्सेना सहित अनेक अतिथि उपस्थित रहे।

राज्य शिक्षा केंद्र ने 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा के परिणाम किए घोषित

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार को कक्षा 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए। विद्यार्थी व अभिभावक राज्य शिक्षा केन्द्र के परीक्षा पोर्टल पर परिणाम देख सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2025-26 की पुनः परीक्षा में कक्षा 5वीं में 80.42 एवं कक्षा 8वीं में 74.16 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं, मुख्य वार्षिक परीक्षा और पुनः परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या को मिलाकर इस सत्र में कक्षा 5वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.89 एवं कक्षा 8वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.19 प्रतिशत रहा है। राज्य शिक्षा केन्द्र के अपर संचालक डॉ. अरूण सिंह ने बताया कि विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकगण उक्त परिणामों को राज्य शिक्षा केन्द्र के https:// www. rskmp. in/result.asp& पर अपना रोल नम्बर डालकर देख सकते हैं। साथ ही शिक्षक, संस्था प्रमुख भी अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम इसी पोर्टल पर देख सकते हैं। गौरतलब है कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 16 से 23 जून के बीच कक्षा 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसमें प्रदेश की शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 71, 548 तथा कक्षा 8वीं के 76, 274 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे। इन विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए प्रदेश में कुल 322 केन्द्र बनाए गए थे। 17, 000 से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं के द्वारा अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की गई थी। वहीं कक्षा पांचवीं में शासकीय स्कूलों के कुल 46, 665 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें 36, 217 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। मदरसा में 581 में से 352 विद्यार्थी पास हुए हैं, तो वहीं अशासकीय स्कूलों के 24, 302 विद्यार्थियों में से 20, 971 विद्यार्थी परीक्षा में पास हुए हैं।

भोपाल कारखाना में गूंजी पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र की शायरी

एक शाम पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र के नाम साहित्यिक संध्या का सफल आयोजन

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेल के सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाड़े के संरक्षण में एक शाम पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र के नाम साहित्यिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन कारखाना के प्रशासनिक भवन स्थित सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर सोहन सिंह परमार ने की, जबकि प्रख्यात साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात कारखाना की सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों ने संगीतमय सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के संयोजक एवं संपर्क राजभाषा अधिकारी तथा सहायक कार्मिक अधिकारी संदीप शर्मा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

इस साहित्यिक संध्या में कारखाना के नौ रेल कवियों—बी.एन. तिवारी, संत कुमार मालवीय, नीतिराज चौरे, अखिलेश लोधी, नमन चौकसे, पंकज दमाड़े, अनिल कुमार साकेत, आशीष कुमार गुप्ता तथा सुश्री जयश्री ठाकुर ने पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र की प्रसिद्ध ग़ज़लों को अपनी मधुर आवाज़ में प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने अपनी मौलिक रचनाओं का भी प्रभावशाली पाठ किया। ग़ज़लों, गीतों, पैरोडी तथा हास्य-व्यंग्य की प्रस्तुतियों ने पूरे सभागार को बशीर बद्र की साहित्यिक विरासत के रंग में रंग दिया और श्रोताओं को देर तक मंत्रमुग्ध बनाए रखा। अपने अध्यक्षीय संबोधन में सोहन सिंह परमार ने कहा, हिंदी हमारी माँ है तो उर्दू हमारी मासी (मौसी) है, और मासी का अर्थ भी माँ जैसी ही होता है। उन्होंने कहा कि संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 मान्यता प्राप्त भाषाएँ हमारी साझा सांस्कृतिक धरोहर हैं तथा प्रत्येक भाषा सम्मान की पात्र है। उन्होंने सभी से दैनिक सरकारी कार्यों में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने का आह्वान भी किया।

मुख्य अतिथि घनश्याम मैथिल अमृत ने अपने उद्बोधन में पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र से जुड़ी व्यक्तिगत मुलाकातों और संस्मरणों को साझा करते हुए उनकी सादगी, मानवीय संवेदनशीलता तथा देशप्रेम के प्रेरक प्रसंग सुनाए। उनके वक्तव्य ने उपस्थित साहित्य प्रेमियों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में अक्षय गंगरवाल (कार्य प्रबंधक-यांत्रिक), शिवम असाटी (कार्य प्रबंधक-विद्युत), आशीष कुमार झारिया (कार्य प्रबंधक), आर.के. उपाध्याय (एसीएमटी), रमेश कुमार रंगा (सहायक सामग्री प्रबंधक) सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का छायांकन रामगोपाल आठनेरे ने किया। समापन अवसर पर अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि का शाल, श्रीफल, स्मृति चिह्न एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ ग़ज़लकार एवं गीतकार बी.एन. तिवारी ने किया, जबकि अंत में संपर्क राजभाषा अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी संदीप शर्मा ने अध्यक्ष, मुख्य अतिथि, रेल कवियों तथा उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से रेल भवन में मुलाकात कर प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

पत्नी की हत्या, फिर रचा 'कोबरा कांड'; साढ़े छह साल बाद आरोपी बैंककर्मी को उम्रकैद

इंदौर (ए.)। इंदौर के बहुचर्चित शिवानी हत्याकांड में जिला अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए आरोपी पति अमितेष उर्फ शालू पटेरिया को उम्रकैद की सजा दी है। साल 2019 में बैंक अधिकारी अमितेष ने अपनी पत्नी शिवानी की हत्या के लिए एक बेहद खौफनाक और सुनियोजित साजिश रची थी। वह इंदौर से लगभग 620 किलोमीटर दूर राजस्थान के अलवर जिले से ब्लैक डेजर्ट प्रजाति का एक खतरनाक कोबरा 30 हजार रुपए में खरीदकर लाया था। आरोपी ने इस सांप को 11 दिनों तक अपने घर में छिपाकर रखा।

इसके बाद जब उसे सही मौका मिला, तो उसने तकिए से अपनी पत्नी का गला घोंटकर उसे मौत के घाट उतार दिया। हत्या को प्राकृतिक रूप देने के लिए उसने कोबरा को मार डाला और उसके दांतों को अपनी मृत पत्नी के हाथ में जबरन गड़ा दिए, ताकि पुलिस और डॉक्टर्स इसे सर्पदंश से हुई सामान्य मौत समझें। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने इस पूरी साजिश का भंडाफोड़ कर दिया और फोरेंसिक साक्ष्यों के साथ डॉक्टरों के बयानों ने अदालत के सामने सच्चाई लाकर रख दी।

करीब साढ़े छह साल तक चली लंबी अदालती सुनवाई के बाद कोर्ट ने अमितेष को हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा संरक्षित वन्यजीव कोबरा की हत्या करने के मामले में तीन साल के कारावास व 25 हजार रुपए के

जुर्माने और साक्ष्य मिटाने के जुर्म में दो साल की सजा भी सुनाई गई है।

सर्पदंश की झूठी कहानी रची

यह पूरी घटना इंदौर के संचार नगर में 1 दिसंबर 2019 को घटित हुई थी। 35 वर्षीय शिवानी पटेरिया को उसका पति अमितेष और उनका एक किरायेदार निखिल गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों को ससुराल पक्ष द्वारा यह जानकारी दी गई कि शिवानी की मौत सांप के काटने की वजह से हुई है लेकिन शिवानी के मायके पक्ष के लोगों ने घटना की सूचना मिलते ही इसे पूरी तरह संदेहास्पद बताया। जब कनाडिया थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर जांच के लिए पहुंचे, तो उन्हें घर के अंदर एक मरा हुआ कोबरा सांप पड़ा मिला। उस दौरान शिवानी के चाचा प्रभात दीक्षित ने पुलिस के सामने सीधे तौर पर आरोप लगाया था कि उनकी भतीजी की सोची-समझी रणनीति के तहत हत्या की गई है।

बिस्तर पर ही मरा हुआ था सांप

शिवानी अपने घर के पलंग पर मृत अवस्था में पाई गई थी और उसी बिस्तर पर वह सांप भी मरा हुआ मिला था। चाचा का कहना था कि कुछ समय पहले अमितेष ने शिवानी से तलाक लेने का प्रयास किया था, क्योंकि वह दिल्ली की किसी अन्य युवती के लगातार संपर्क में था और हर हाल में शिवानी को अपने जीवन से हटाना चाहता था। मायके पक्ष का यह भी आरोप था कि पति ने पहले भी हत्या का प्रयास किया था, जिसमें एक बार गला दबाने और घटना से दो दिन पहले जहर देने की कोशिश शामिल थी।

सरकारी राशन में लाखों रुपये की गड़बड़ी उजागर; तीन संचालकों पर केस दर्ज : स्टॉक में भी हेराफेरी

धार (ए.)। धार जिले के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में ग्रामीणों के सरकारी राशन में हेराफेरी का बड़ा मामला सामने आया है। राशन वितरण में अनियमितताओं की शिकायतों के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया। कलेक्टर राजीव रंजन मीणा के निर्देशन तथा एसडीएम विशाल धाकड़ और जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी श्रीराम बार्डे के मार्गदर्शन में खाद्य विभाग की टीम ने संबंधित पंचायतों में पहुंचकर शासकीय उचित मूल्य की दुकानों का औचक निरीक्षण किया।

जांच में राशन के स्टॉक में भारी गड़बड़ी सहित कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। खाद्य आपूर्ति विभाग की रिपोर्ट पर पुलिस ने तीन दुकान संचालकों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनीता मसराम सहित विभागीय टीम की जांच में तीन प्रमुख मामले सामने आए।

मामला-1

जांच टीम कुक्षी ब्लॉक के ग्राम बड़दा स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर पहुंची तो दुकान बंद मिली। दुकान का संचालन नूरसिंह पिता मालसिंह कर रहा था। मौके पर शासन की योजनाओं से संबंधित कोई बैनर-पोस्टर, खाद्यान्न के नमूने, स्टॉक एवं भाव सूची तथा बिक्री रजिस्टर नहीं मिला। एईपीडीएस (AePDS) पोर्टल पर दर्ज स्टॉक का भौतिक सत्यापन करने पर दुकान में तय मात्रा से अधिक राशन मिला।

जांच के दौरान 179 क्विंटल गेहूं, 91 क्विंटल चावल, सवा छह क्विंटल नमक तथा पोर्टल में दर्ज मात्रा से अधिक शकर बरामद हुई। अतिरिक्त खाद्य सामग्री का बाजार मूल्य करीब 8.73 लाख रुपये आंका गया है। एसडीएम कुक्षी की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

मामला-2

आरोपी नूरसिंह पिता मालसिंह के पास डही ब्लॉक के ग्राम रणगांव की शासकीय उचित मूल्य की दुकान का भी संचालन था। यहां स्थिति बड़दा से बिल्कुल उलट मिली। दुकान पर भी रिकॉर्ड में गड़बड़ी मिली और आवश्यक बैनर-पोस्टर नहीं लगे थे। सबसे बड़ी अनियमितता यह रही कि पोर्टल के अनुसार उपलब्ध होना वाला राशन मौके से पूरी तरह गायब मिला।

केतन की हत्या से पहले सिया ने पढ़ा था राजा रघुवंशी केस, मोबाइल की हिस्ट्री से खुला राज

इंदौर (ए.)। पुणे की सिया गोयल ने केतन अग्रवाल की हत्या ठंडे दिमाग और पूरी प्लानिंग के साथ की थी। हत्या से पहले उसने गूगल पर राजा रघुवंशी केस सर्च किया और उसे पूरा पढ़ा, ताकि जो गलती सोनम ने की, वह उसे न दोहराए। लेकिन पुलिस ने उसे भी केतन की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। सोनम और सिया की हत्या के तरीके में भी समानता है। सोनम ने भी हत्या के बाद राजा के शव को खाई में फेंका था और सिया ने सीधे धक्का देकर हत्या को हादसा बताने की कोशिश की।

दरअसल, सिया ने राजा रघुवंशी केस से सबक लेकर हत्या की प्लानिंग को और ज्यादा सावधानी से पूरा करने की कोशिश की थी। पुलिस ने जब सिया के मोबाइल की गूगल हिस्ट्री देखी तो पता चला कि उसने राजा रघुवंशी मर्डर केस के बारे में पूरी जानकारी ली थी। सिया ने यह भी जाना था कि पुलिस की गिरफ्तारी के बाद महिला आरोपियों से मारपीट होती है या नहीं।

दरअसल, पुणे पुलिस केतन अग्रवाल मर्डर केस में डिजिटल सबूत भी जुटा रही है। इस दौरान राजा रघुवंशी केस के बारे में सिया द्वारा जानकारी जुटाए जाने का पता चला। इस मामले में राजा रघुवंशी के परिजनों का कहना है कि सोनम ने जिस तरीके से राजा की हत्या की थी, सिया ने भी उसी प्लानिंग को अपनाया और पहाड़ों पर केतन को घुमाने ले गई थी।

हत्या के पुख्ता सबूत होने के बावजूद सोनम की जमानत मंजूर हो गई। इससे सिया को बढ़ावा मिला और उसने केतन की हत्या कर दी। सोनम ने जघन्य अपराध किया है। उस मामले में उसे फांसी की सजा होनी चाहिए, लेकिन वह जेल से बाहर है। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा कि एफआईआर के समय जो टाइपिंग मिस्टेक हुई थी, उसका फायदा सोनम ने उठाया है। अब सिया केस में पुलिस को लापरवाही नहीं करनी चाहिए।आपको बता दें कि पिछले साल मई में सोनम ने अपने प्रेमी के तीन साथियों के साथ राजा रघुवंशी की हत्या की थी।

जन्मदिन की खुशियां मातम में बदलीं, केक खरीदने निकली युवती का ट्रैक पर मिला शव; डिलीट चैट खंगाल रही पुलिस

अशोक नगर (ए.)। छोटे भाई के जन्मदिन के लिए केक और नए कपड़े खरीदने घर से निकली 18 वर्षीय युवती की कुछ घंटे बाद रेलवे ट्रैक पर लाश मिलने से पूरे परिवार में मातम छा गया। सोमवार शाम हुई इस घटना ने जन्मदिन की खुशियों को पलभर में गम में बदल दिया। पुलिस आत्महत्या, दुर्घटना और अन्य सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। मृतका की पहचान बहादुरपुर क्षेत्र के कलूआखेड़ी निवासी राधिका शर्मा (18) के रूप में हुई है। उसके पिता रामस्वरूप शर्मा का परिवार पिछले करीब 20 वर्षों से अशोकनगर शहर में किराये के मकान में रह रहा है।

परिजनों के अनुसार सोमवार शाम करीब छह बजे राधिका छोटे भाई के जन्मदिन के लिए केक और कपड़े खरीदने बाजार जाने की बात कहकर घर से निकली थी। जल्द लौटने की बात कहकर वह अपना मोबाइल फोन भी घर पर ही छोड़ गई। घर में जन्मदिन की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन देर रात तक उसके वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान सूचना मिली कि रेलवे ट्रैक पर एक युवती का शव पड़ा है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान राधिका के रूप में की।

देहात थाना पुलिस के अनुसार रात करीब आठ बजे स्टेशन मास्टर ने सूचना दी थी कि एक युवती ट्रेन की चपेट में आ गई है, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी भुवनेश शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मामले को उलझाने वाला पहलू यह है कि राधिका के घर से बाजार जाने वाले रास्ते में रेलवे ट्रैक नहीं पड़ता। ऐसे में वह ट्रैक तक कैसे पहुंची, यह पुलिस के लिए जांच

का विषय बना हुआ है।

पुलिस फिलहाल आत्महत्या और दुर्घटना दोनों पहलुओं से जांच कर रही है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। थाना प्रभारी भुवनेश शर्मा ने बताया कि जांच के दौरान घर पर मिले राधिका के मोबाइल की पड़ताल की गई। इसमें दो नंबरों से हुई चैट के कुछ साक्ष्य मिले हैं, जबकि कई संदेश डिलीट पाए गए। साइबर सेल की मदद से डिलीट डेटा रिकवर कराया जा रहा है।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि राधिका पिछले तीन-चार दिनों से मानसिक तनाव में थी। उसने इसी वर्ष 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी और कॉलेज में प्रवेश की तैयारी कर रही थी। वह चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर थी। पिता रामस्वरूप शर्मा ने बताया कि बेटी किसी बात को लेकर परेशान थी, लेकिन उसने परिवार के किसी सदस्य से अपनी परेशानी साझा नहीं की। जिस घर में शाम को जन्मदिन की खुशियां मनाई जानी थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है। छोटे भाई का जन्मदिन परिवार के लिए हमेशा एक दर्दनाक याद बन गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

पालतू कुत्ते के काटने पर मालिक को सजा, कोर्ट उठने तक कारावास और 1,000 रुपये का जुर्माना

जबलपुर (ए.)। पड़ोसी के 8 वर्षीय बच्चे को पालतू कुत्ते के काटने के मामले में न्यायालय ने करीब छह साल बाद कुत्ते के मालिक को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) दीप्ती चौहान ने आरोपी को कोर्ट उठने तक के साधारण कारावास और 1,000 रुपये के जुर्माने से दंडित किया है।

अभियोजन के अनुसार, सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित कौशल्या अपार्टमेंट के पास रहने वाले सलीम रहमान 27 अक्टूबर 2020 को अपनी पंचर मोटरसाइकिल को पैदल मरम्मत के लिए ले जा रहे थे। उनका 8 वर्षीय बेटा अतीर रहीम रहमान पीछे-पीछे दौड़ रहा था। इसी दौरान पड़ोसी गैविन डिसूजा के पालतू कुत्ते ने बच्चे को काट लिया।

घटना के बाद आरोपी के घर के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि जब बच्चे का इलाज कराने और कुत्ते को बांधकर रखने की बात कही गई तो गैविन डिसूजा ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी।

सलीम रहमान ने घटना की शिकायत सिविल लाइन थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 289, 294 और 506 (भाग-बी) के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया।

सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को धारा 294 और 506 (भाग-बी) के आरोपों से बरी कर दिया। हालांकि, जानवर को लापरवाही से छोड़ने (धारा 289) के अपराध में दोषी मानते हुए कोर्ट उठने तक के कारावास और 1,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से एसडीओपी रवि कुमार मौर्य ने पैरवी की।

मैहर में बड़ा सड़क हादसाः ट्रक में पीछे से जा घुसी तेज रफ्तार एक्सयूवी कार, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

मैहर (ए.)। मैहर जिले में सोमवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (a-30) पर भीषण सड़क हादसा घटित हुआ है। देहात थाना क्षेत्र के ग्राम रिगरा के पास तेज रफ्तार से दौड़ रही एक एक्सयूवी कार सामने चल रहे ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उसमें सवार छह युवक कार के अंदर ही बुरी तरह फंस गए। हादसे में पांच युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जन्मदिन की पार्टी से लौटते समय हुआ हादसा

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी युवक किसी रिश्तेदार के यहां आयोजित जन्मदिन समारोह में शामिल होकर मैहर लौट रहे थे। देर रात जब उनकी कार रिगरा गांव के पास पहुंची, तभी सामने चल रहे ट्रक से जा टकराई। हादसा इतना भयावह था कि टक्कर की आवाज दूर तक सुनाई दी और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार की रफ्तार काफी अधिक थी, जिसके कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सीधे ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। दुर्घटना के बाद वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह

दब गया और उसमें बैठे लोग अंदर ही फंस गए।

रेस्क्यू के लिए कई एजेंसियों ने संभाला मोर्चा

हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112, हाईवे पेट्रोलिंग टीम, 108 एंबुलेंस और राष्ट्रीय राजमार्ग एंबुलेंस सेवा 1033 तत्काल मौके पर पहुंचीं। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से काफी देर तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी रेस्क्यू टीम ने सभी घायलों और मृतकों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक पांच युवकों की मौत हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल सिविल अस्पताल अमरपाटन पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल सतना रेफर कर दिया गया।

व्यापार समाचार

'इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से किस गाड़ी को हुई दिक्कत ?' परिवहन मंत्री गडकरी की आलोचकों को चुनौती

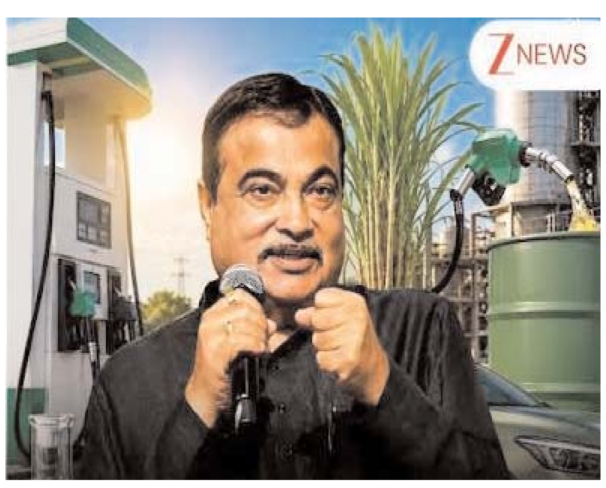

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) की बिक्री पर हो रही आलोचनाओं का जवाब दिया। उन्होंने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी ऐसी गाड़ी का नाम बताएं जिसे मिश्रित ईंधन से परेशानी हुई हो। गडकरी ने 'विकसित भारत कॉन्क्लेव' में कहा कि भारत की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता एक आर्थिक बोझ है। ईंधन आयात पर सालाना 22 लाख करोड़ रुपये खर्च होते हैं। यह पर्यावरण के लिए भी खतरा है, इसलिए स्वच्छ ऊर्जा अपनाना देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।

क्या इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों को नुकसान होता है ?

गडकरी ने कहा कि ई20 पेट्रोल के कारण किसी भी गाड़ी को कोई समस्या नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि उच्च इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग को लेकर झूठी बातें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने इसे "भुगतान किए गए अभियान" बताया। भारत ने पहले ही पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। यह गन्ने, मक्का या चावल जैसे बायोमास से बनता है। इससे आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम हुई है और कार्बन उत्सर्जन में भी कटौती हुई है।

क्या भारत में ईंधन चुनने का विकल्प है ?

भारत में वाहन मालिकों के पास पेट्रोल पंप पर अलग-अलग ईंधन चुनने का विकल्प नहीं है। ब्राजील में ग्राहकों को अलग-अलग कीमतों पर ईंधन चुनने का विकल्प मिलता है। ब्राजील के कानून के तहत, उच्च इथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन पर मूल्य छूट देना अनिवार्य है। भारत में अभी ऐसा कोई विकल्प नहीं है।

क्या गडकरी के परिवार की कंपनियां इथेनॉल उत्पादन में शामिल हैं ?

इथेनॉल उत्पादन में परिवार के सदस्यों की कंपनियों के शामिल होने के आरोपों पर भी गडकरी ने जवाब दिया। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि उनके परिवार के सदस्यों के पास चीनी मिलें हैं। उनकी कंपनियां इथेनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं हैं।

बढ़ने वाला है मोबाइल खर्च, तीन-चार महीने में 15% तक महंगा होगा रिचार्ज; क्यों बढ़ेंगे दाम ?

नई दिल्ली (ए.)। मोबाइल उपभोक्ता रीचार्ज दरों में एक और बढ़ोतरी के लिए तैयार रहें। दूरसंचार कंपनियां अगले तीन-चार महीनों में रिचार्ज प्लान 12-15 फीसदी महंगा कर सकती है, क्योंकि बाजार के एकीकरण के बाद इस क्षेत्र में कीमतों का माहौल अधिक अनुकूल हो गया है।

ब्रोकरेज फर्म सेंट्रम इंस्टीट्यूशनल रिसर्च ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही की टेलीकॉम एवं इंटरनेट सेक्टर प्रिव्यू रिपोर्ट में कहा, दूरसंचार बाजार में इस समय सिर्फ तीन निजी और एक सरकारी कंपनी बीएसएनएल ही बची हैं। सीमित प्रतिस्पर्धा के कारण कंपनियों को दाम बढ़ाने का मौका मिल रहा है। आगामी तिमाहियों में ऐसी दो से तीन और बढ़ोतरी संभव है। इससे करोड़ों मोबाइल उपयोगकर्ताओं की जेब पर बोझ बढ़ सकता है।

डॉलर की मजबूती से सोना और चांदी में गिरावट

- सोने का भाव 1,46, रुपए प्रति 1 ग्राम और चांदी 2,33,4 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली (ए.)। अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में सोने-चांदी की कीमतों में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई है, जिसकी मुख्य वजह अमेरिकी डॉलर की मजबूती है। कॉमेक्स पर सोना करीब 4,150 डॉलर प्रति औंस और चांदी 62 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है। वहीं घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का वायदा भाव 1,46,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,33,400 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब है।

हालांकि, जानकारों का मानना है कि यह गिरावट अस्थायी है और लंबी अवधि में कीमतों में बड़ी कमी की संभावना कम है। एमसीएक्स पर मंगलवार को सोने का अगस्त वायदा अनुबंध 832 रुपये की गिरावट के साथ 1,46,085 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, जबकि पिछला बंद भाव 1,46,917 रुपये था। इसी तरह, चांदी का सितंबर वायदा अनुबंध भी 2,713 रुपये टूटकर 2,33,386 रुपये प्रति किलोग्राम पर

आ गया, जिसका पिछला बंद भाव 2,36,099 रुपये था। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये और चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ था। अंतर्राष्ट्रीय कॉमेक्स पर भी बहुमूल्य धातुओं में नरमी देखी गई। खबर लिखे जाने तक सोना 15.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,152.40 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था, जबकि चांदी 0.30 डॉलर गिरकर 62.02 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। वैश्विक स्तर पर सोने ने इस साल 5,586.20 डॉलर और चांदी ने 121.79 डॉलर का सर्वोच्च स्तर छुआ था। डॉलर में आई मजबूती ने फिलहाल इन धातुओं को सस्ता किया है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अपनी सीढ़ी तैयार करने ही होगी

बिना अपनी जमीन तैयार किए चीन की आपूर्ति शृंखला से जुड़कर विकसित होने की सोच समस्याग्रस्त है। विकास के लिए भारत को आखिरकार अपना मॉडल और अपनी सीढ़ी तैयार करनी ही होगी।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष अनंत गोयनका की ये राय अहम है कि भारत को चीन से बचने की कोशिश के बजाय उससे कारोबारी संबंध बढ़ाने चाहिए। मैनुफैक्चरिंग क्षमता की मजबूती, नवाचार को बढ़ावा और वैश्विक आपूर्ति शृंखला से अधिक गहराई से जुड़ने के लिए ऐसा करना जरूरी है। फिक्की के सदस्य सीईओज के एक दल की पांच दिवसीय चीन यात्रा के बाद गोयनका चीन ये तीन खास बातें कहीः पहली, चीन कड़े मुकाबले वाले एक फाइटिंग रिंग की तरह है। वहां कंपनियां ऐसे 2-3 प्रतिशत की मार्जिन (मुनाफे) पर काम करती हैं। इस प्रतिस्पर्धा में सिर्फ कठोर और सर्वश्रेष्ठ कंपनियां ही टिक पाती हैं। दूसरी, वहां अनुसंधान एवं विकास और ऑटोमेशन उच्चतम स्तर पर हैं। कंपनियां इन क्षेत्रों में निवेश दास साल के भविष्य को ध्यान में रखकर करती हैं, ना कि किसी तिमाही नतीजे को देख कर।

और तीसरी बात यह कि वहां सरकार एक मूक शेयरधारक है। सस्ता कर्ज, जमीन, बिजली और नीतिगत सहयोग इस पैमाने पर मिलता है कि प्रति इकाई लागत और मुनाफे का गणित बदल जाता है। इस कारण दूसरे देशों की कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा का धरातल समान नहीं रह जाता। गोयनका की टिप्पणियां भारतीय कारोबारी सोच में बड़े बदलाव का संकेत हैं। भारतीय उद्योगपति अब इस भय से निकल गए हैं कि चीन भारत पर हावी हो सकता है। बल्कि राय यह उभरी है कि औद्योगिक विकास के अगले दौर में जाने के लिए चीनी आपूर्ति शृंखला से जुड़ना आवश्यक हो गया है।

लेकिन गोयनका का यह तर्क विवादास्पद है कि भारत को औद्योगिक विकास के पारंपरिक चरणों को छोड़ देना कर सीधे डिजिटल रूप से एकीकृत, कम इंसानी दखल वाले उत्पादन की ओर बढ़ना चाहिए। उल्लेखनीय है कि हर विकसित देश ने ऑटोमेशन तब अपनाया, जब वह बड़े पैमाने पर उत्पादन को व्यवस्थित करना सीख चुका था। नीचे की सीढ़ियां छोड़कर भारत सीधे चोटी पर नहीं पहुंच सकता। यानी बिना अपनी जमीन तैयार किए चीन से जुड़कर विकसित होने की सोच समस्याग्रस्त है। विकास के लिए भारत को आखिरकार अपना मॉडल और अपनी सीढ़ी तैयार करने ही होगी।

डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और 'डिजिटल इंडिया' तथा 'विकसित भारत-2047' का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। किंतु इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है-साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है।

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और

कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है।

चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता।

साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरुआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है।

डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। साइबर अपराध अब किसी एक देश की समस्या नहीं रहा। इंटरनेट की दुनिया में अपराधी सीमाओं से मुक्त हैं, इसलिए समाधान भी वैश्विक होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व की प्रमुख शक्तियों को साइबर अपराध के विरुद्ध साझा कानूनी ढांचा, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और तकनीकी सहयोग विकसित करना होगा। जिस प्रकार आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग आवश्यक माना गया, उसी प्रकार साइबर अपराध के विरुद्ध भी विश्वव्यापी समन्वय समय की मांग है।

विचार प्रवाह :- (आत्म मंथन)

दाग़ दामन पर लिए, यहाँ हर आदमी चलता है,
मगर जो टूटकर संभले,
सच में वही इंसान बनता है।
सबसे बड़ा क़सूर है संजर ख़ुद को ख़ुदा समझना,
दूसरों के कष्टों या भूल पर, निर्दयता से हँसना।
बिना गुनाह के जीवन जीना तो शायद एक ख्वाब ही है,
हर ग़लती से कुछ सीखना, जिंदगी को जिंदगी का जवाब है।
दिल में हमेशा करुणा आलोक तुम रखो,
पछतावा कम करो,
तुम इंसान ऐ- राही हो, देवता होने का भ्रम न करो।

- आलोक संजर (पूर्व सांसद)

कन्या भ्रूण हत्या पर निर्णायक प्रहार

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी/

सिर्फ डॉक्टर नहीं,पूरा सिंडिकेट निशाने परः पीसीपीएनडीटी अधिनियम को और कठोर बनाने की दिशा में महाराष्ट्र सरकार का संभावित बड़ा कदम कन्या भ्रूण हत्या में डॉक्टर के साथ दलाल, एजेंट,अवैध सोनोग्राफी केंद्र, नकली दस्तावेज तैयार करने वाले लोग तथा आर्थिक लाभ के लिए संगठित रूप से काम करने वाले गिरोह शामिल होना मकोका का आधार वैश्विक स्तरपर भारत को सदियों से मातृशक्ति की पूजा करने वाली सभ्यता माना जाता है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। अर्थात जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। किंतु विडंबना यह है कि आधुनिक विज्ञान की प्रगति का कुछ लोगों ने दुरुपयोग कर कन्या भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय अपराध को जन्म दिया अल्ट्रासोनोग्राफी जैसी तकनीक, जिसका उद्देश्य गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की रक्षा करना था,उसे भ्रूण के लिंग का अवैध परीक्षण कर बेटियों के जन्म से पहले ही उनका जीवन समाप्त करने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि संविधान, मानवाधिकार, महिला सम्मान और मानवता पर सीधा प्रहार है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन : भारत के डिजिटल स्वास्थ्य का आधार

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) ने विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचनाओं में से एक का निर्माण किया है। इसके अंतर्गत 104 करोड़ से ज्यादा स्वास्थ्य रिकॉर्ड 93 करोड़ से अधिक आभा खातों से जोड़े गए हैं। एबीडीएम ने कागजी कार्रवाई को खत्म कर और इंतजार के समय में कमी लाकर रोगियों को बीमाकर्ताओं, अस्पतालों और डॉक्टरों से एक एकीकृत नेटवर्क से जोड़ दिया है।

डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना का निर्माण

भारत सबके लिए स्वास्थ्य सुविधा की ओर लगातार बढ़ रहा है, जहाँ हर कोई बिना किसी आर्थिक कठिनाई के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकता है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक मज़बूत डिजिटल आधार की ज़रूरत है। स्वास्थ्य सेवाओं को ज़्यादा आसान, कुशल और सुलभ बनाने के लिए एक मज़बूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना अनिवार्य है।

एक डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम:

मरीज़ों के रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से रखने में मदद करता है।

लोगों को स्वास्थ्य सेवा और बीमा प्रदाताओं से जोड़ता है।

यह स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स को आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाने की सुविधा देता है, जिससे नागरिक देश भर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़े किसी भी स्वास्थ्य केंद्र पर अपने स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड्स को सुरक्षित रूप से देख और शेयर कर सकते हैं।

यह बिना पहचान वाले गोपनीय स्वास्थ्य डेटा तैयार करता है।

इस डेटा का उपयोग स्वास्थ्य योजना और सेवा वितरण में सुधार करने के साथ-साथ भारत के उभरते हुए कृत्रिम मेधा (एआई) इकोसिस्टम को मज़बूत करने के लिए किया जा सकता है। इस तरह की अवसंरचना के होने से बीमारी पर नज़र रखने, निदान और स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में नए नवाचार की संभावना बनती है।

इसे ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने एक एकीकृत और नागरिक-केंद्रित राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम विकसित करने के लिए सितंबर 2021 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की शुरुआत की।

एक एबीडीएम-सक्षम सॉफ्टवेयर का उपयोग करके, स्वास्थ्य केंद्र आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (आभा) से जुड़े डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड बना सकते हैं। इसके अलावा, वे मरीज की सहमति लेने के बाद उनके पिछले रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से देख सकते हैं और मरीज़ की ऐसी मंज़ूरी, जिसे कभी भी वापस लिया जा सके और जो एक तय समय के लिए हो, के ज़रिए डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

आभा आधार की तरह एक विशिष्ट पहचान है, जो लोगों को सुरक्षित रूप से व्यापक स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ता है। यह मरीजों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने में मदद करता है। वे इस एक अंतर-संचालनीय नेटवर्क के माध्यम से अपने पूरे मेडिकल इतिहास को सुरक्षित रखते हुए बीमा कंपनियों, स्वास्थ्य सुविधाओं, डॉक्टरों और अन्य सेवाओं से जुड़ सकते हैं।

मई 2026 में हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि के तहत, अब 104 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड 93 करोड़ से भी ज़्यादा आभा खातों से जुड़ चुके हैं। यह एक व्यवस्थित डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की दिशा में अहम प्रगति है।

एबीडीएमः एक संपूर्ण डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र

आभा के अलावा, एबीडीएम एक पूर्ण रूप से विकसित डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र है। यह मरीजों को उनके मेडिकल रिकॉर्ड से जोड़ता है, बीमा कंपनियों को अस्पतालों से जोड़ता है, और सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को एक ही नेटवर्क पर लाता है।

आभा संख्याः 14 अंकों की एक विशिष्ट स्वास्थ्य पहचान या संख्या जो आपकी सहमति से विभिन्न अस्पतालों, लैब, बीमा कंपनियों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आपके सभी स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़ती है।

स्वास्थ्य व्यावसायिक पंजीयनः देश के सभी स्वास्थ्य पेशेवर डॉक्टरों से लेकर आयुष चिकित्सकों तक का पंजीयन, जो सत्यापित होते हैं और डिजिटल रूप से जुड़े हुए हैं।

स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्रीः सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं—जैसे अस्पतालों, क्लीनिकों, लैब और फार्मेसियों का एक राष्ट्रीय पंजीकरण, जो सभी एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं।

यूनिफाइड हेल्थ इंटरफेसः स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक खुला नेटवर्क—जैसे स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए यूपीआई। इसके ज़रिए किसी भी ऐप से अपॉइंटमेंट बुक करें, डॉक्टरों से परामर्श लें और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का पता लगा सकते हैं।

आरोग्य सेतु 2.0: यह डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड (पीएचआर) के लिए एक एकीकृत माध्यम के रूप में कार्य करता है, जिससे देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य को अपनाने की रफ़्तार को तेज़ किया जा रहा है।

आरोग्य सेतु 2.0

मूल रूप से भारत के कोविड-19 ट्रेसिंग एप्लिकेशन (कोविड-19 संपर्क में आने वालों का पता लगाने वाला एप) के रूप में विकसित, आरोग्य सेतु को एबीडीएम के तहत नागरिकों के लिए एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में बदल दिया गया है। यह डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड के लिए एक एकीकृत गेटवे के रूप में कार्य करता है, जो देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य को अपनाने की गति को तेज़ कर रहा है।आरोग्य सेतु 2.0 को 29 जून, 2026 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा एबीडीएम के तहत एक नए रूप और नागरिक-केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में शुरू किया गया था।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए नए अनुभवों से भरा रहने वाला है। परिवार के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज आप नया काम शुरू करने की योजना बनायेंगे, आगे चलकर इससे आपको फायदा होगा। इस राशि के छात्रों के सफलता का स्तर बाकी लोगों की तुलना में अच्छा रहेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला रहेगा। व्यस्तता के बावजूद रचनात्मक कामों में रुचि बनी रहेगी। घर में नवीनीकरण और साज-सज्जा से जुड़े बदलाव कर सकते हैं इससे पारिवारिक माहौल में नई ऊर्जा आएगी। जीवनसाथी किसी काम के लिये आपकी तारीफ कर सकते है, इससे आपका मन खुश रहेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। व्यवसाय में नए लोगों से संपर्क बनेंगे, जिससे उन्नति के नए स्रोत बनेगे आज प्रतिद्वंदी कमजोर रहेंगे। गवर्नमेंट से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। अपने संपर्कों का सही उपयोग करें।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए सफलता के नए अवसर लेकर आएगा। आपका आदर्शवादी व्यक्तित्व अन्य लोगों के लिए मिसाल बनेगा। व्यापार की गति सामान्य बनी रहेगी।आज माता-पिता के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। घर में भाई-बहन की मदद से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज करियर में आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए।

कन्या राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज किसी धार्मिक या सामाजिक आयोजन में योगदान देने से मन को खुशी मिलेगी आपका मान- सम्मान बढ़ेगा और आसपास के लोग आपकी कार्यशैली की सराहना करेंगे। आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज कारोबार से जुड़े मामलों में दूसरों पर भरोसा करने के बजाय फैसले खुद लेने का प्रयास करें। आज किसी भी पार्टी के साथ बिजनेस डील करते समय अपना आत्मविश्वास बनाए रखें आय की स्थिति बेहतर होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा। आज परिवारजनों के साथ खुशियों के पल बितायेंगे। आज अपने बड़े भाई से नई बात आपको सीखने को मिलेगी। आज आपको किसी भी तरह की मानसिक उलझन से मुक्ति मिलेगी, जिससे काफी राहत महसूस करेंगे।

धनु राशिःआज आपका दिन शानदार रहने वाला है। शैक्षणिक कार्यों में आज आपका मन लगेगा। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों को आज सफलता मिलेगी। परिवार में आज किसी सदस्य से छोटी मोटी नोक झोंक होने की संभावना है। बेहतर होगा आज बेवजह किसी भी मामले में बिना मांगे सलाह न दें और किसी के व्यक्तिगत मामले में भी दखल देने से बचें।

मकर राशिः आज आपको अच्छी खबर मिलेगी, जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। यदि आप सोशल वर्क से जुड़े है तो आज आपको किसी नए कॉन्टैक्ट से फायदा होगा। आज आपके विरोधी भी आपकी उदारता से बहुत प्रभावित होंगे और रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।

कुंभ राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। लम्बे समय से चल रहा कोर्ट-कचहरी के मामले को निपटने के लिए किसी ख़ास दोस्त से फ़ोन पर ही राय लेंगे। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आज आपके कारोबार में तरक्की के योग बन रहे है। सामाजिक क्षेत्र में आज आपकी छवि अच्छी होगी।

मीन राशिःआज आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। कुछ प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा और आपके व्यक्तित्व में नया निखार आयेगा जिससे आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

बांग्लादेश की बदलती सैन्य सोच और भारत के सामने नई सुरक्षा चुनौती

कांतिलाल मांडोत/

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय साझेदारियों में गिने जाते रहे हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय में भारत की निर्णायक भूमिका रही थी। दोनों देशों ने दशकों तक सुरक्षा, व्यापार, जल बंटवारे, सीमा प्रबंधन और सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्र में उल्लेखनीय सहयोग किया। किंतु पिछले कुछ समय से बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति, उसकी सैन्य सोच और विदेश नीति में दिखाई दे रहे बदलावों ने नई चिंताओं को जन्म दिया है। विशेष रूप से बांग्लादेशी सेना में धार्मिक प्रतीकों और इस्लामी पहचान को अधिक प्रमुखता देने की खबरों ने भारत सहित पूरे क्षेत्र का ध्यान आकर्षित किया है।

हाल के घटनाक्रमों के अनुसार बांग्लादेशी सेना की कुछ नई बटालियनों का नाम इस्लामी इतिहास के शुरुआती खलीफाओं के नाम पर रखा गया है और सेना के पारंपरिक राष्ट्रवादी नारों के स्थान पर धार्मिक नारों को महत्व दिए जाने की चर्चा भी सामने आई है। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ती है तो यह केवल सैन्य परंपरा का परिवर्तन नहीं होगा, बल्कि बांग्लादेश की बदलती वैचारिक दिशा का संकेत भी माना जाएगा। किसी भी सेना का चरित्र केवल उसके हथियारों से नहीं, बल्कि उसके मूल्यों, प्रतीकों और प्रशिक्षण से भी निर्धारित होता है।

शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश की राजनीति में इस्लामी संगठनों और धार्मिक समूहों का प्रभाव बढ़ने की चर्चा लगातार हो रही है। लंबे समय तक अवामी लीग ने धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवाद और जय बांग्ला की भावना को राष्ट्रीय पहचान का आधार बनाया था। अब यदि सेना के भीतर धार्मिक पहचान को अधिक महत्व दिया जा रहा है तो यह

उस वैचारिक परिवर्तन का हिस्सा माना जा सकता है जो देश की राजनीति और समाज में भी दिखाई दे रहा है।

बांग्लादेश की इस बदलती सोच के पीछे अनेक कारण हो सकते हैं। पहला कारण घरेलू राजनीति है। किसी भी देश की सरकार और सत्ता प्रतिष्ठान अपने समर्थक सामाजिक वर्गों को संतुष्ट करने के लिए कई बार सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीकों का उपयोग करते हैं। यदि इस्लामी संगठनों का प्रभाव बढ़ता है तो सेना सहित अन्य संस्थाओं पर भी उसका प्रभाव दिखाई देना स्वाभाविक माना जाता है।

दूसरा कारण क्षेत्रीय शक्ति संतुलन है। बांग्लादेश आज चीन और पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। रक्षा उपकरणों की खरीद, सैन्य प्रशिक्षण और संयुक्त अभ्यास इसी रणनीति का हिस्सा माने जाते हैं। इससे वह अपने रक्षा विकल्पों को व्यापक बनाना चाहता है ताकि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता न रहे।

तीसरा कारण भारत के साथ कुछ पुराने और नए विवाद भी हैं। सीमा पर अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा, जल बंटवारा, व्यापारिक असंतुलन तथा राजनीतिक बयानबाजी जैसे मुद्दों ने समय-समय पर दोनों देशों के संबंधों को प्रभावित किया है। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक और धार्मिक समूह भारत विरोधी भावनाओं को घरेलू राजनीति में समर्थन जुटाने के लिए भी इस्तेमाल करते रहे हैं। हालांकि यह कहना उचित नहीं होगा कि पूरा बांग्लादेश या उसकी पूरी जनता भारत विरोधी है। वहां बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक, बुद्धिजीवी और व्यापारी भी हैं जो भारत के साथ अच्छे संबंधों को अपने देश के हित में मानते हैं।

भारत के दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा का है। यदि भारत-बांग्लादेश सीमा के निकट सैन्य गतिविधियां बढ़ती हैं या सीमा क्षेत्रों में तनाव का वातावरण बनता है तो उसका सीधा प्रभाव असम, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों पर पड़ सकता है। भारत पहले ही सीमा पर आधुनिक निगरानी व्यवस्था, बाड़ और सुरक्षा बलों की तैनाती को मजबूत कर चुका है। ऐसे में किसी भी प्रकार की उकसाने वाली गतिविधि या घुसपैठ की संभावना पर स्वाभाविक रूप से गंभीर नजर रखी जाएगी।अवैध घुसपैठ भी लंबे समय से भारत के लिए एक संवेदनशील विषय रही है। भारत ने हाल के वर्षों में सीमा प्रबंधन को अधिक सख्त बनाया है और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई पर भी जोर दिया है। इस कारण दोनों देशों के बीच इस मुद्दे पर समय-समय पर तनाव की स्थिति बनी है। हालांकि यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी अवैध गतिविधि के लिए पूरे समुदाय या पूरे देश को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होता। सीमा सुरक्षा और कानून का पालन दोनों देशों की साझा जिम्मेदारी है।

जहां तक मुस्लिम खलीफाओं के नाम पर सैन्य इकाइयों के गठन का प्रश्न है, इसके कई अर्थ निकाले जा सकते हैं।

आस्था के मार्ग पर अव्यवस्था का बोझः माता वैष्णो देवी यात्रा में श्रद्धालुओं को कई चुनौतियों का सामना

वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता और व्यवस्थाओं पर बड़े सवाल

कटरा (संदीप पंडा)। जिसे माता का बुलावा आता है, वही उनके दरबार तक पहुंच पाता है। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी यह मान्यता आज भी उतनी ही मजबूत है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु कठिन चढ़ाई पार कर माता वैष्णो देवी के पवित्र भवन में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। लेकिन क्या माता के दरबार तक पहुंचने का सफर उतना ही सहज और सुरक्षित है, जितना होना चाहिए?

हमारी पड़ताल और अनेक श्रद्धालुओं से हुई बातचीत में यात्रा मार्ग से जुड़े कई ऐसे मुद्दे सामने आए, जिन पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता महसूस होती है। श्रद्धालुओं का कहना है कि यात्रा का आध्यात्मिक अनुभव कई बार व्यवस्थागत कमियों के कारण प्रभावित हो जाता है।

सबसे बड़ी चुनौती—एक ही मार्ग पर पैदल श्रद्धालु और घोड़े-खच्चरों की आवाजाही

बाणगंगा से अर्धकुमारी तक का पारंपरिक ट्रैक हजारों श्रद्धालुओं से भरा रहता है। इसी मार्ग पर घोड़े, खच्चर, पालकी और पिट्ठू सेवाएं भी संचालित होती हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि कई स्थानों पर पैदल यात्रियों और घोड़े-खच्चरों की आवाजाही एक साथ होने से अव्यवस्था जैसी स्थिति बन जाती है। विशेषकर बुजुर्ग, महिलाएं और छोटे बच्चों के साथ यात्रा कर रहे परिवार स्वयं को असुरक्षित महसूस करते हैं। कई श्रद्धालुओं ने बताया कि तेज गति से निकलते घोड़े-खच्चरों के कारण उन्हें बार-बार किनारे होना पड़ता है और कई बार लोग गिरकर चोटिल भी हो जाते हैं।

रास्ता छोड़ो...की आवाजों के बीच चलता है श्रद्धालुओं का सफर

कई यात्रियों का कहना है कि कुछ घोड़ा संचालक जल्दी निकलने के लिए ऊंची आवाज में रास्ता खाली करने को कहते हैं। भीड़भाड़ के समय इससे अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन जाती है। हालांकि यह अनुभव सभी यात्रियों का नहीं है, लेकिन जिन लोगों को इसका सामना करना पड़ता है, उनके लिए यात्रा तनावपूर्ण हो जाती है।

नया मार्ग भी पूरी तरह राहत नहीं देता

अर्धकुमारी से भवन तक बने नए मार्ग को अपेक्षाकृत सुविधाजनक माना जाता है, लेकिन कई श्रद्धालुओं ने बैटरी कारों की आवाजाही को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि भीड़ के समय पैदल यात्रियों को बार-बार रास्ता छोड़ना पड़ता है, जिससे विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों के साथ चल रहे परिवारों को असुविधा होती है।

क्या यात्रा मार्ग पर तय कीमतों का पालन हो रहा है?

कई श्रद्धालुओं ने आरोप लगाया कि यात्रा मार्ग पर कुछ दुकानों में पेयजल, खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुएं निर्धारित मूल्य से अधिक दरों पर बेची जाती हैं। यदि प्रत्येक दुकान पर मूल्य सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हो और नियमित जांच की जाए, तो इस प्रकार की शिकायतों में कमी आ सकती है।

स्वच्छता पर भी उठे सवाल

श्रद्धालुओं के अनुसार यात्रा मार्ग पर घोड़े-खच्चरों की आवाजाही के कारण कई स्थानों पर मल-मूत्र जमा हो जाता है। सफाई कर्मचारी लगातार कार्य करते दिखाई देते हैं, फिर भी भीड़ और लगातार संचालन के कारण कुछ हिस्सों में दुर्गंध और फिसलन की समस्या बनी रहती है। यात्रियों का कहना है कि यह न केवल असुविधाजनक है बल्कि दुर्घटनाओं का कारण भी बन सकता है।

शिकायत कहां करें?

कई यात्रियों का कहना है कि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत शिकायत दर्ज कराने या मौके पर समाधान प्राप्त करने की व्यवस्था हर जगह स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देती। उनका सुझाव है कि हेल्प डेस्क, आपातकालीन सहायता केंद्र, सीसीटीवी निगरानी और त्वरित शिकायत निवारण प्रणाली को और सशक्त बनाया जाए।

श्रद्धालुओं की प्रमुख मांगें

-पैदल यात्रियों और घोड़े-खच्चरों के लिए अलग-अलग लेन या बेहतर यातायात प्रबंधन।

-भीड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती।

-बैटरी कारों के संचालन के लिए स्पष्ट गति सीमा और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के विशेष उपाय।

-दुकानों पर मूल्य सूची का अनिवार्य प्रदर्शन और नियमित निरीक्षण।

यात्रा मार्ग की अधिक बार सफाई और आधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन।

शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए प्रभावी हेल्पलाइन और कंट्रोल रूम।

बड़ा सवाल

माता वैष्णो देवी धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है। ऐसे में यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि यात्रा मार्ग भी उसी स्तर की सुरक्षा, स्वच्छता और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं का उदाहरण बने। यदि यात्रा के दौरान सामने आ रही समस्याओं पर समय रहते प्रभावी कदम उठाए जाएं, तो श्रद्धालुओं की आस्था के साथ उनका यात्रा अनुभव भी कहीं अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और सुखद हो सकता है।

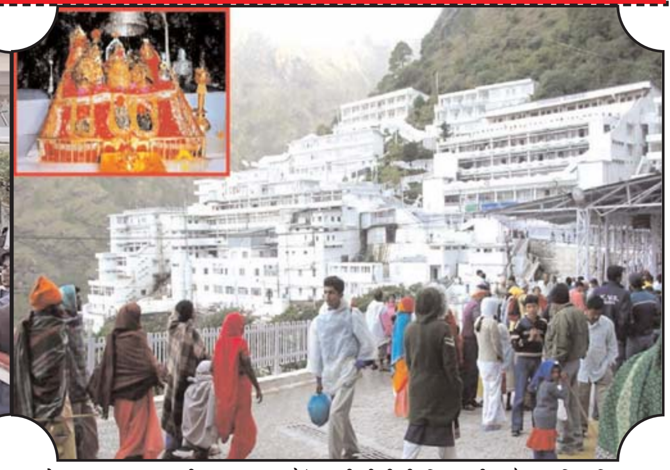

केजरीवाल ने केंद्र को घेराः 'एक मंत्री कुछ कहता है, तो दूसरा मंत्री कुछ और', ई20 ईंधन पर सरकार बोल रही झूठ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई20 ईंधन को लेकर जनता में भारी विरोध है। इसके बावजूद केंद्र सरकार अपने रुख पर अड़ी हुई है। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें सरकार की इस जिद का कारण नहीं पता। सरकार अपनी बात से पीछे हटने को तैयार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लगातार एक के बाद एक झूठे दावे कर रही है। एक मंत्री कुछ कहता है, तो दूसरा मंत्री कुछ और।

केजरीवाल के अनुसार, केंद्र सरकार लोगों को ई20 ईंधन स्वीकार करने और उपयोग करने के लिए राजी करने के लिए नई रणनीतियां अपना रही है। सरकार भ्रामक दावे कर रही है। 3 जुलाई को केंद्र सरकार ने छह वाहन निर्माताओं के प्रतिनिधियों को बुलाया था।सरकार ने इन कंपनियों से एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने को कहा। उन्हें जनता को यह बताना था कि ई20 ईंधन पूरी तरह से ठीक है। इन कंपनियों में मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर, हीरो मोटोकॉर्प, हुंडई मोटर, बजाज ऑटो और टीवीएस मोटर कंपनी शामिल हैं।

सोलोमन द्वीपसमूह की स्वतंत्रता के 48 साल, विदेश मंत्री ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (आरएनएस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को सोलोमन द्वीपसमूह को उनकी स्वतंत्रता की 48वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं। वहां की सरकार और जनता को बधाई देते हुए एक तस्वीर साझा की जो प्रगाढ़ द्विपक्षीय संबंधों का उदाहरण है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से एस जयशंकर ने अपने समकक्ष, सोलोमन द्वीपसमूह के विदेश मंत्री रिकी नेल्सन होएनिपवेला, को भी बधाई दी।

जयशंकर ने लिखा, विदेश मंत्री रिकी नेल्सन होएनिपवेला, सोलोमन द्वीपसमूह की सरकार और वहां की जनता को स्वतंत्रता की 48वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं।

उनकी पोस्ट के साथ साझा की गई तस्वीर फरवरी 2025 की है। तब भारत ने सोलोमन द्वीपसमूह के नेशनल रेफरल हॉस्पिटल को एक डायलिसिस मशीन उपहार स्वरूप प्रदान की थी।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, भारत और सोलोमन द्वीपसमूह के बीच राजनयिक संबंध मई 1987 में स्थापित हुए थे। सोलोमन द्वीपसमूह ने 2003 में नई दिल्ली में अपना मानद वाणिज्य दूतावास स्थापित किया था।16 मार्च 2023 को सोलोमन द्वीपसमूह का एक प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में अपना स्थायी राजनयिक मिशन स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए भारत पहुंचा था। दोनों देशों के संबंध मैत्रीपूर्ण हैं, और बहुपक्षीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर राजनीतिक सहयोग निरंतर बना हुआ है। पोर्ट मोरेस्बी स्थित भारतीय मिशन को सोलोमन द्वीपसमूह के लिए भी मान्यता प्राप्त है।

पत्नी और प्रेमी ने मिलकर अपने ही पति की कर दी दर्दनाक हत्या

तमाड़ (आरएनएस)। -बुंडू थाना क्षेत्र में 19 जून को सुमनडीह गांव के समीप तेतरटांड़ जंगल से बरामद सिरकटे और अधजले शव की गुत्थी 17 दिनों बाद पुलिस ने सुलझा ली है। मामले में मृतक तमाड़ थाना क्षेत्र के मांझीडीह निवासी संजय लोहरा की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर तमाड़ थाना क्षेत्र के सुंदरडीह स्थित रानी वन से जमीन में दबा मृतक का कटा हुआ सिर भी बरामद कर लिया। हत्या में प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली गई है। बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश ने बताया कि 19 जून को बरामद सिरकटा और अधजला शव पुलिस के लिए ब्लाइंड मर्डर था। मृतक का सिर नहीं मिलने के कारण जांच चुनौतीपूर्ण थी। लगातार 17 दिनों तक तकनीकी साक्ष्यों, फॉरेंसिक जांच और वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। पूछताछ के दौरान आरोपी प्रेमी की निशानदेही पर सुंदरडीह के रानी वन से सिर बरामद किया गया। बरामदगी के दौरान बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश, तमाड़ अंचल अधिकारी समरेश प्रसाद भंडारी, बुंडू थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो, तमाड़ थाना प्रभारी दुलाल कुमार महतो, बुंडू एसआई रंजीत कुमार, एफएसएल टीम तथा पुलिस बल मौजूद रहे।डीएसपी ने बताया कि अब तक की जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा सामने आया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पत्नी ने अपने प्रेमी और उसके दो अन्य साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

TMC फंड केसः अभिषेक बनर्जी की चार्टर्ड फ्लाइट्स तक पहुंची आंच, ED की 5 ठिकानों पर ताबड़तोड़ रेड

कोलकाता (आरएनएस)। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के बैंक खातों और चुनावी चंदे में मचे घमासान के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मंगलवार सुबह एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। केंद्रीय जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमों ने कोलकाता और उसके आसपास सॉल्ट लेक, राजारहाट और राधाबाजार समेत पांच ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी है। ईडी के अधिकारी केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों को साथ लेकर एक चार्टर्ड एविएशन कंपनी के डायरेक्टरों के घर और दफ्तरों को खंगाल रहे हैं। यह पूरा मामला टीएमसी के खातों में हुए संदिग्ध लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच से जुड़ा हुआ है। मंगलवार सुबह ईडी की टीम सबसे पहले 'केयरवेल एविएशन' नाम की कंपनी के निदेशकों के आवास पर पहुंची। जांच में यह अहम बात सामने आई है कि इसी कंपनी के प्राइवेट विमानों और हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल टीएमसी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और पार्टी के अन्य बड़े नेता अपने दौरों के लिए करते रहे हैं। सॉल्ट लेक स्थित कंपनी के दो निदेशकों, पवन जाजू और राजेश जाजू के घर पर टीम मौजूद है और उनसे बंद कमरे में गहन पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही राजारहाट और राधाबाजार स्थित केयरवेल एविएशन के दफ्तरों पर भी छापेमारी चल रही है। जांच का मुख्य फोकस इस बात पर है कि क्या नेताओं के लिए बुक होने वाले इन महंगे चार्टर्ड विमानों का भुगतान टीएमसी के उन्हीं विवादित खातों से किया जा रहा था।

चढ़ावा चोरी विवाद पर विहिप का बड़ा बयान, ट्रस्ट की कार्रवाई को बताया पूरी तरह सही

नई दिल्ली,(आरएनएस)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा घोटाले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग उठाई है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने अमर उजाला डॉट कॉम के विशेष कार्यक्रम खरी बात में दोटूक कहा कि इस पूरे प्रकरण की ऐसी गंभीर जांच होनी चाहिए, जिसके दायरे से कोई भी रसूखदार व्यक्ति या पहलू बाहर न छूट पाए। हालांकि, उन्होंने मंदिर के प्रबंधन को सरकारी हाथों में सौंपने के विचार का कड़ा विरोध किया है। उनका मानना है कि सरकारी व्यवस्थाओं में भी अनियमितताओं की आशंका बनी रहती है। विहिप के अनुसार, राम मंदिर तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की ओर से इस मामले में कोई कोताही नहीं बरती गई है, क्योंकि ट्रस्ट ने खुद ही तत्परता दिखाते हुए पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई और जांच में सहयोग कर रहा है।

चंपत राय और जमीन खरीद विवाद पर विहिप का रुख

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर लग रहे आरोपों को लेकर आलोक कुमार ने कहा कि अभी यह प्रमाणित होना बाकी है कि उन पर उठाए जा रहे सवाल कितने सही हैं। जमीन खरीद में सामने आई कथित गड़बड़ियों पर उन्होंने साफ किया कि यह पूरा विषय एसआईटी (SIT) की एफआईआर और जांच के दायरे में है, इसलिए अंतिम रिपोर्ट आने से पहले कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस विषय में उनके पास कुछ तथ्यात्मक जवाब मौजूद हैं, लेकिन उन्हें सार्वजनिक करने का यह सही समय नहीं है

CJP को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत, एक्स अकाउंट होगा अनब्लॉक; केंद्र सरकार ने भी दी सहमति

नई दिल्ली (ए.)। सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) बनाकर सनसनी मचाने वाले अभिजीत दीपके को दिल्ली हाई कोर्ट से एक बड़ी खुशखबरी मिली है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत ने केंद्र सरकार द्वारा ब्लॉक किए गए CJP के एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट को अनब्लॉक करने का आदेश दिया है। इस रोक के खिलाफ अभिजीत दीपके ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले में सबसे खास बात यह रही कि केंद्र सरकार ने भी अदालत में सहमति जताई कि अब इस सोशल मीडिया अकाउंट को अनब्लॉक किया जा सकता है।परीक्षा के कारण लगाया गया था बैनः सॉलिसिटर जनरल

केंद्र सरकार की ओर से अदालत में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच को बताया कि NEET परीक्षा लंबित होने के कारण इस अकाउंट को ब्लॉक किया गया था। सरकार का मानना था कि इसके कुछ पोस्ट्स से परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के बीच आपाधापी या भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती थी। उन्होंने अदालत को बताया कि चूंकि अब यह परीक्षा संपन्न हो चुकी है, इसलिए इस अकाउंट को ब्लॉक रखने का प्राथमिक उद्देश्य समाप्त हो गया है।

हर मानसून में क्यों थम जाती है मुंबई की रफ्तार?

करोड़ों खर्च के बावजूद बारिश बन रही बड़ी चुनौती

मुंबई (आरएनएस)। मानसून की दस्तक के साथ ही देश की आर्थिक राजधानी मुंबई एक बार फिर जलभराव, ट्रैफिक जाम और बाधित जनजीवन की समस्या से जूझती नजर आ रही है। हर साल की तरह इस बार भी कुछ घंटों की तेज बारिश ने शहर की रफ्तार थाम दी। करोड़ों रुपये के बजट, नालों की सफाई, ड्रेनेज सिस्टम की मरम्मत और प्रशासनिक तैयारियों के दावों के बावजूद कई इलाकों में पानी भर गया, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।बारिश के बाद सायन, कुर्ला, दादर, हिंदमाता और मिलन सबवे समेत कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। कई अंडरपास पानी में डूब गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। वहीं, मुंबई-पुणे मार्ग पर भी जलभराव के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित रही। कई स्थानों पर ट्रैफिक जाम लग गया और लोकल ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित हुईं, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी।विशेषज्ञों का मानना है कि मुंबई में बार-बार जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति बनने के पीछे कई संरचनात्मक और पर्यावरणीय कारण जिम्मेदार हैं। इनमें शहर की समुद्र तटीय भौगोलिक स्थिति, हाई टाइड के दौरान पानी की निकासी में रुकावट, तेजी से हुआ अनियोजित शहरीकरण, पुराने और दबाव झेल रहे ड्रेनेज सिस्टम, मीठी नदी पर बढ़ते अतिक्रमण तथा जलवायु परिवर्तन के कारण हो रही अत्यधिक वर्षा प्रमुख हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल नालों की सफाई या अस्थायी उपायों से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। इसके लिए दीर्घकालिक शहरी नियोजन, आधुनिक और मजबूत जल निकासी प्रणाली, मीठी नदी का संरक्षण, अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई तथा बेहतर ठोस कचरा प्रबंधन पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है।जब तक इन मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक हर मानसून में मुंबई के जलमग्न होने और शहर की रफ्तार थमने की तस्वीरें दोहराती रहेंगी।

सुरक्षा में कटौती पर लालू प्रसाद यादव की दो टूक, कहा-मैं बिहार का शेर हूं, मुझे सुरक्षा की कोई चिंता नहीं

पटना ,(आरएनएस)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को अपनी सुरक्षा को लेकर जताई जा रही चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें इससे कोई समस्या नहीं है और उन्होंने खुद को बिहार का शेर बताया। सुरक्षा स्तर में कमी को लेकर आईएएनएस से विशेष बातचीत में लालू यादव ने कहा, मैं बिहार का शेर हूं और मुझे इससे कोई समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा कथित रूप से राजनीतिक निशाना बनाए जाने के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा,उन्हें निशाना बनाने दो।इस मुद्दे पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चुप्पी के बारे में पूछे जाने पर लालू यादव ने जवाब दिया, हां, हर कोई चुप है।विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव द्वारा पार्टी का प्रभावी नेतृत्व करने के सवाल पर आरजेडी सुप्रीमो ने कहा, हां, वह पार्टी को अच्छी तरह से आगे ले जा रहे हैं। इसमें कोई समस्या नहीं है।उनकी ये टिप्पणी 2 जुलाई को बिहार की राजनीति के सबसे प्रतिष्ठित पतों में से एक, पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगले के एक नए अध्याय में प्रवेश करने के कुछ दिनों बाद आई है क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने लगभग 20 वर्षों तक वहां रहने के बाद सरकारी बंगले को खाली कर दिया था।

विशाखापत्तनम के समुद्र में रेस्क्यू ऑपरेशन जारीः नौसेना ने 1 मछुआरे को बचाया, 6 की तलाश तीसरे दिन भी जारी

विशाखापत्तनम (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम तट के पास समुद्र में फंसे मछुआरों की तलाश के लिए भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) का बड़े पैमाने पर बचाव अभियान लगातार तीसरे दिन भी जारी है। अब तक एक मछुआरे को भारतीय नौसेना ने हेलीकॉप्टर के जरिए सुरक्षित बचाकर तट तक पहुंचा दिया है, जबकि उसके साथ गए छह अन्य मछुआरे अभी भी लापता हैं। खराब मौसम, तेज हवाओं और ऊंची लहरों के बावजूद नौसेना और कोस्ट गार्ड समुद्र में लगातार खोज अभियान चला रहे हैं। राहत दलों का कहना है कि हर संभव प्रयास किया जा रहा है ताकि लापता मछुआरों का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके। जानकारी के अनुसार, विशाखापत्तनम और विजयनगरम जिलों के सात मछुआरे 1 जुलाई को विशाखापत्तनम फिशिंग हार्बर से मछली पकड़ने के लिए समुद्र में निकले थे।

छत से धक्का देकर भी नहीं हुई मौत तो नसों में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दी, तेलंगाना में पत्नी ने प्रेमी संग रची साजिश

हैदराबाद,(आरएनएस)। तेलंगाना के निजामाबाद जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक महिला पर अपने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर पति की हत्या करने का आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, पहले पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की गई, लेकिन जब वह बच गया तो इलाज के दौरान उसकी नसों में कैनुला के जरिए टॉयलेट क्लीनर और नींद की गोलियों का घोल इंजेक्ट कर दिया गया। इसके बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में 32 वर्षीय संध्या, उसके कथित प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई उर्फ बंटी को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों पर 35 वर्षीय दयिनी प्रशांत की हत्या का आरोप है। पुलिस के मुताबिक यह वारदात 30 जून को अंजाम दी गई।

मामले का खुलासा तब हुआ जब मृतक की मां ने बेटे की मौत पर संदेह जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने गहन जांच शुरू की और पूरी साजिश का पर्दाफाश हो गया।

जांच में पता चला कि प्रशांत पिछले दो वर्षों से खाड़ी (गल्फ) देश में काम कर रहे थे। वह 27 जून को घर लौटे थे और उन्होंने दोबारा विदेश न जाने का फैसला किया था। पुलिस के अनुसार, संध्या का अनिल के साथ विवाहेतर संबंध था और उसे लगने लगा था कि पति उसके रिश्ते में सबसे बड़ी रुकावट है। इसके बाद उसने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि हत्या की पहली कोशिश 29 जून को की गई थी। आरोप है कि वेंकट साई प्रशांत के घर पहुंचा और उसे काफी शराब पिलाई। इसके बाद वह उसे छत पर ले गया और संध्या के फोन पर दिए गए निर्देशों के अनुसार उसे नीचे धक्का दे दिया। हालांकि, प्रशांत गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद बच गया। आरोपियों ने उसे यह कहकर भरोसा दिलाया कि वह शराब के नशे में गलती से गिर गया था। इसके बाद उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया और फिर इलाज के लिए घर ले आए। पुलिस के अनुसार, संध्या ने पहले नर्स की ट्रेनिंग ली हुई थी। इसी वजह से वह घर पर प्रशांत को आईवी फ्लूइड (ड्रिप) लगा रही थी।

ट्रंप की धमकियों पर ईरान की दो टूकः अराघची बोले- धमकियों के बीच वार्ता संभव नहीं, अमेरिका करे समझौते का सम्मान

तेहरान (ए.)। मध्य-पूर्व एशिया में फिलहाल शांति है, लेकिन यूएस-ईरान के बीच हाल ही में हुआ समझौता कितने दिन तक कायम रहेगा, इसे लेकर असमंजस बरकरार है। इसकी एक अहम वजह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फिर ईरान की ओर से दिए जा रहे जवाब माने जा रहे हैं। सोमवार को भी ट्रंप ने ऐसा ही कुछ कहा, जिसका जवाब ईरान की ओर से आया। ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अबास अराघची ने स्पष्ट किया कि धमकियों से काम नहीं चलेगा।

'यदि धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू नहीं होगी'

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि यदि धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू नहीं होगी। उन्होंने इस संबंध में अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के पैराग्राफ 13 का हवाला दिया। अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा,"लाखों गौरवान्वित ईरानी" सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए एकत्र हो रहे हैं।

चीन ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी से मिसाइल की लॉन्च, अमेरिका तक मार

- इस परीक्षण पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और जापान जैसे देशों ने जताई कड़ी आपत्ति

बीजिंग,(ए.)। चीन ने प्रशांत महासागर में परमाणु हथियार ले जाने वाली रणनीतिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। चीन ने कहा है कि इस मिसाइल को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी से मिसाइल को लॉन्च किया है और इसने अपने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। चीन की नौसेना ने कहा है कि लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल को एक डमी ट्रेनिंग वॉरहेड में लगाया गया था और इसे सोमवार दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर लॉन्च किया गया। चीन ने इस मिसाइल टेस्ट को नियमित सैन्य प्रशिक्षण का हिस्सा बताया और कहा कि मिसाइल खुले समुद्र में पहले से तय इलाके में गिरी।

चीन के इस परमाणु मिसाइल परीक्षण पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और जापान जैसे देशों ने कड़ी आपत्ति जताई है। इसके अलावा इस टेस्ट ने इंडो-पैसिफिक देशों को भी चिंता में डाल दिया है। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने पुष्टि की है कि चीन ने सरकार को प्रशांत महासागर में समुद्र-आधारित मिसाइल टेस्ट करने की योजना के बारे में बताया था लेकिन उन्होंने कहा कि यह कदम इलाके में अस्थिरता पैदा करने वाला है।

फिजी की राजधानी सुवा में एक वोंग ने पत्रकारों से कहा कि ऑस्ट्रेलिया का रुख साफ है कि यह प्रस्तावित टेस्ट चीन की तेजी से बढ़ती मिलिट्री ताकत के संदर्भ में है जिसमें उस पारदर्शिता और इरादों के बारे में भरोसे की कमी है जिसकी इस इलाके को उम्मीद है। वहीं जापान सरकार ने कहा कि उसे मिसाइल लॉन्च के बारे में जानकारी दी गई थी और उसने चीन से इस पर फिर से विचार करने को कहा था। जापान सरकार ने कहा हमने चीनी सेना की बढ़ती गतिविधियों पर अपनी गहरी चिंता जताई है। इसके अलावा जापान सरकार ने बताया कि रविवार को चीनी अधिकारियों ने जापान के कोस्ट गार्ड को अंतरिक्ष के मलबे के गिरने के बारे में जानकारी दी थी जो जापान के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में गिर सकता था।

न्यूजीलैंड सरकार ने कहा कि उसे इस योजनाबद्ध लॉन्च के बारे में इसके होने के कुछ ही घंटों के अंदर जानकारी मिली थी। विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने कहा न्यूजीलैंड इसे एक अवांछित और चिंताजनक घटना मानता है। प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों में अपने पड़ोसियों की तरह हमारी भी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है कि चीन दक्षिण प्रशांत का इस्तेमाल अपनी मिसाइल क्षमता के टेस्ट के लिए करे।

पाकिस्तान में आतंकी हमलाः नौ पुलिसकर्मियों की मौत, पांच लापता; बलूचिस्तान में हुई वारदात के बाद हालात कैसे?

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को एक बांध परियोजना के चेकपोस्ट पर हमला हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारियों ने नौ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी और कई अन्य लापता हैं। एक वरिष्ठ जिला अधिकारी अब्दुल कुदूस ने बताया कि 'मंगी बांध परियोजना की रखवाली कर रहे एक चेकपोस्ट पर हमले के बाद नौ पुलिसकर्मी मारे गए हैं और कई लापता हैं"। प्रांतीय सरकार के एक प्रवक्ता ने इस संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कई पुलिस थानों के वरिष्ठ अधिकारी मृतकों में शामिल हैं। उन्होंने इस हमले के लिए इस्लामी आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया।

जवाबी कार्रवाई और संघर्ष

बलूचिस्तान की सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने एक बयान में कहा कि अर्धसैनिक बल, पुलिस और आतंकवाद विरोधी कर्मियों ने आतंकवादियों के खिलाफ 'संयुक्त अभियान सफलतापूर्वक चलाए हैं'। पाकिस्तान वर्षों से बलूचिस्तान में अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है। इस खनिज-समृद्ध प्रांत की सीमा अफगानिस्तान और ईरान से लगती है। यहां आतंकवादी राज्य बलों और विदेशी निवेश तथा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को निशाना बनाते हैं।

सीमा पार से हमले

यह पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ते आतंकवादी हमलों का हिस्सा है। इस्लामाबाद का कहना है कि ये हमले अफगानिस्तान से होते हैं, जहां के अधिकारी लगातार किसी भी संलिप्तता से इन्कार करते रहे हैं। पाकिस्तान ने हाल के महीनों में अफगान क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं। पाकिस्तान का कहना है कि ये हमले आतंकवादियों को निशाना बनाते हैं, लेकिन तालिबान सरकार के अधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इन हमलों में दर्जनों नागरिक मारे गए हैं। इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और लापता पुलिसकर्मियों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है।

चीन में भारी बारिश-बाढ़ का कहरः 20 लोगों की मौत; फार्म से बाहर निकले 900 सांप; राष्ट्रपति जिनपिंग ने क्या कहा?

बीजिंग(ए.)। चीन में आई भीषण बाढ़ में 20 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 331 लोग घायल हुए हैं। यह चीन की सबसे भयावह बाढ़ में से एक बताई जा रही है। इस बाढ़ के कारण एक और खौफ उस समय पैदा हो गया, जब पानी के तेज बहाव से एक सांपों का फार्म टूट गया और वहां से करीब 900 सांप भाग गए।सोमवार रात से चीन के कई इलाकों में खराब मौसम ने भारी तबाही मचाई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने क्या निर्देश दिए?

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित इलाकों में पूरी ताकत से राहत और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने घायलों के उपचार और आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए हरसंभव प्रयास करने को कहा। शी जिनपिंग ने निगरानी व्यवस्था, पहले से चेतावनी देने की प्रणाली और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों की जान और संपत्ति की सुरक्षा के लिए आपदा रोकथाम और राहत कार्यों को मजबूत करने के निर्देश भी दिए।

फार्म से 900 सांपों के बाहर आने के बाद क्या हुआ?

सोमवार रात भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित हेंगझोउ इलाके में एक सांपों का फार्म टूट गया। इसके बाद वहां से करीब 900 सांप बाहर निकल गए। हांगकांग के अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, वायरल हुए एक वीडियो में लोग कमर तक भरे पानी में बांस की छड़ियां लेकर सांपों को पकड़ने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं।

हेंगझोउ के अधिकारी वू झी ने एक न्यूज पोर्टल को बताया कि ज्यादातर सांप जहरीले नहीं थे। उन्होंने कहा कि 10 लोगों की एक टीम बनाई गई है, जो मछली पकड़ने वाले जाल और बिजली के झटके देने वाले उपकरणों की मदद से सांपों को पकड़ रही है। उन्होंने ग्रामीणों को आगाह किया कि अगर घरों में सांप दिखें तो उन्हें हाथ से पकड़ने की कोशिश न करें।

खतरे के निशान से ऊपर कितनी नदियां?

केंद्रीय अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण पूरे चीन में 62 नदियों का जलस्तर बाढ़ की चेतावनी सीमा से ऊपर पहुंच गया है। गुआंग्शी में किंगशुई नदी में निगरानी के इतिहास का सबसे बड़ा बाढ़ स्तर दर्ज किया गया है।

हुबेई में तूफान से कितने लोगों की मौत हुई?

हुबेई प्रांत के पूर्वी हिस्से में सोमवार रात आंधी और तूफान ने भारी नुकसान पहुंचाया।

फीचर

अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस की झलक दिखाई प्रियंका ने

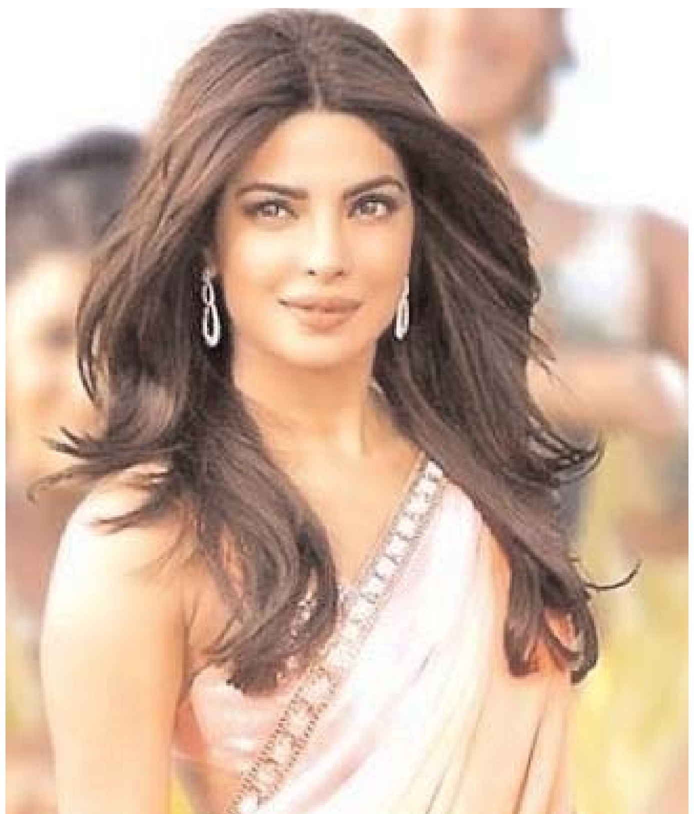

मुंबई (ए.)। अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस से पहले होने वाले जश्न की झलक अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने प्रशंसकों के साथ साझा की है। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें बड़ी कांच की खिड़कियों के बाहर रात के आसमान में रंग-बिरंगी आतिशबाजी होती दिखाई दे रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने सभी को 4 जुलाई की शुभकामनाएं भी दीं। प्रियंका चोपड़ा का अमेरिका से लंबे समय से गहरा जुड़ाव रहा है। बचपन के कुछ वर्ष उन्होंने अपने रिश्तेदारों के साथ अमेरिका में बिताए थे।

इस दौरान उन्होंने मैसाचुसेट्स, आयोवा और न्यूयॉर्क के स्कूलों में पढ़ाई की। बाद में भारत लौटकर उन्होंने मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनाई और बॉलीवुड में सफल करियर स्थापित करने के बाद हॉलीवुड की ओर रुख किया। अभिनेत्री कई बार बता चुकी हैं कि हॉलीवुड में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बिल्कुल नए कलाकार की तरह की। उन्होंने कहा कि भारत में बड़ी सफलता मिलने के बावजूद उन्होंने कभी विशेष व्यवहार की उम्मीद नहीं की। उन्हें अन्य कलाकारों की तरह ऑडिशन देने पड़े, कास्टिंग एजेंसियों से मिलना पड़ा और खुद को विभिन्न भूमिकाओं के लिए प्रस्तुत करना पड़ा। प्रियंका ने यह भी बताया कि शुरुआती दिनों में वह अपना पोर्टफोलियो लेकर कास्टिंग पेशेवरों से मिलती थीं और अपने काम के आधार पर अवसर हासिल करने का प्रयास करती थीं।

उनका मानना है कि नए माहौल में खुद को साबित करने के लिए धैर्य और मेहनत सबसे महत्वपूर्ण होती है। हॉलीवुड में उनकी यात्रा संगीत के क्षेत्र से शुरू हुई थी। इसके बाद वर्ष 2015 में उन्हें क्वांटिको में मुख्य भूमिका निभाने का अवसर मिला। इस शो के साथ वह अमेरिकी नेटवर्क ड्रामा में मुख्य भूमिका निभाने वाली पहली दक्षिण एशियाई अभिनेत्री बनीं। इस उपलब्धि ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। इसके बाद प्रियंका चोपड़ा ने कई चर्चित हॉलीवुड परियोजनाओं में काम किया, जिनमें बेवॉच, द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स, सिटाडेल, लव अगेन और हेड्स ऑफ स्टेट शामिल हैं। इन परियोजनाओं के जरिए उन्होंने वैश्विक मनोरंजन जगत में अपनी मजबूत पहचान बनाई है।

बोनी कपूर की बेटी अंशुला की शादी में कपूर सिस्टर्स ने खींचा सबका ध्यान

- जाह्नवी, खुशी और सोनम तीनों ने अपने-अपने अंदाज में ट्रेडिशनल फैशन फ्लॉन्ट किया

मुंबई,(ए.)। बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर ने 6 जुलाई को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर से शादी कर ली है। दोनों ने परिवार और दोस्तों के बीच ग्रैंड वेडिंग में सात फेरे लिए, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अंशुला और रोहन की शादी सिर्फ परिवार के लिए खास मौका नहीं रही, बल्कि फैशन लवर्स के लिए भी ग्रैंड फैशन शो से कम नहीं थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शादी की खूबसूरत तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चा कपूर सिस्टर्स के लुक्स की होने लगी है। बहन अंशुला की शादी में जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर और सोनम कपूर बेहद खूबसूरत ट्रेडिशनल आउटफिट्स में नजर आईं. तीनों ने आउटफिट्स को अपने-अपने अंदाज में स्टाइल करके साबित कर दिया कि रॉयल एथनिक फैशन को वे बखूबी अपनाना जानती हैं। जाह्नवी कपूर ने अपनी बड़ी बहन अंशुला की शादी के लिए डिजाइनर अनामिका खन्ना का कस्टम हैंड-एंब्रॉयडेड आइवरी लहंगा पहना। उनका लुक बेहद एलिगेंट और रॉयल था उनके लहंगे को फ्लोरल डिजाइन से सजाया गया था, जो इसे मॉडर्न और खूबसूरत लुक दे रहा था।

जाह्नवी ने अपने खूबसूरत लहंगे को फ्लोरल मोटिफ्स और स्कैलप्ड एजेस वाले खूबसूरत ब्लाउज के साथ पेयर किया था उनके लहंगे की स्कर्ट को रेशम, जरी और थ्रेडवर्क से सजाया गया था। एक्ट्रेस ने इसके साथ आइवरी ऑर्गेंजा दुपट्टा कैरी किया, जिसने पूरे लुक को और भी ग्रेसफुल बना दिया। जाह्नवी ने अपने लुक को हैवी नेकलेस और इयररिंग्स के साथ कंप्लीट किया। उन्होंने इयररिंग्स को भारी बनाने के लिए उनमें इयरचेन जोड़ीं, जो उनके लुक में रॉयल अंदाज भी जोड़ रही थीं। इसके साथ ही जाह्नवी ने चूड़ियां और अंगूठियां भी पहनी। अनामिका खन्ना का डिजाइन किया गया मैचिंग क्लच उनके पूरे लुक का परफेक्ट फिनिशिंग टच बना।

फैशन की बात हो और सोनम कपूर का नाम न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। छोटी बहन अंशुला कपूर की शादी में सोनम का लुक शाही ठाठ से भरपूर नजर आया। उन्होंने अनामिका खन्ना का कस्टम आउटफिट पहना, जिसमें बारीक कढ़ाई वाली शानदार केप और ग्रे-शेड बेस पर तैयार रॉयल एंसेंबल शामिल था। हेवी बॉर्डर वाली केप उनके पूरे लुक का सबसे खास हिस्सा रही। सोनम ने अपने आउटफिट को पन्ने और सोने से बने लेयर्ड नेकलेस, बड़े झुमकों और स्टेटमेंट मांग टीके के साथ पेयर किया। हाथ में विंटेज स्टाइल पोटली बैग लिए उनका यह रॉयल अंदाज शादी के सबसे यादगार फैशन मोमेंट्स में शामिल रहा।

अंशुला कपूर की शादी में जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर और सोनम कपूर तीनों ने अपने-अपने अंदाज में ट्रेडिशनल फैशन को फ्लॉन्ट किया। किसी ने आइवरी लहंगे से शाही अंदाज दिखाया, किसी ने पेस्टल कलर्स का आउटफिट पहन लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। वहीं सोनम ने हैवी जूलरी और रॉयल केप के साथ महारानी जैसा लुक अपनाया। यही वजह है कि शादी की तस्वीरों में दुल्हन के साथ-साथ कपूर सिस्टर्स के फैशन स्टेटमेंट भी सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं।

स्कॉटलैंड की यात्रा पर निकिता दत्ता, साझा कीं तस्वीरें

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेत्री निकिता दत्ता स्कॉटलैंड की अपनी यात्रा पर है जहां से उन्होंने कुछ मनमोहक झलकियां सोशल मीडिया पर साझा की हैं। अभिनेत्री की यह पोस्ट उनके प्रशंसकों को काफी पसंद आ रही है। निकिता दत्ता ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर कई तस्वीरें साझा करते हुए उन्हें "स्कॉटलैंड से पोस्टकार्ड्स" शीर्षक दिया।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इन तस्वीरों और वीडियो में वह हरे-भरे पहाड़ों, खुले मैदानों और शांत वातावरण का आनंद लेती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में वह स्कॉटलैंड के मनोरम प्राकृतिक दृश्यों के बीच अलग-अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। हर तस्वीर में वहां की हरियाली, पहाड़ और शांत वातावरण की खूबसूरती साफ दिखाई देती है। इससे पहले उन्होंने स्कॉटलैंड के ग्रामीण इलाके का एक वीडियो भी साझा किया था। वीडियो में निकिता खूबसूरत और कम चर्चित स्थानों की तलाश में पहाड़ियों और खुले मैदानों में पैदल यात्रा करती दिखाई दे रही हैं। इस दौरान उन्हें चरागाह में बड़ी संख्या में भेड़ें भी दिखाई दीं, जिनके बीच बिताए गए पल उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ साझा किए। पोस्ट के साथ निकिता ने लिखा कि स्कॉटलैंड के कुछ अनछुए और छिपे हुए प्राकृतिक स्थलों की खोज में वह सामान्य से कुछ अधिक दूर निकल गईं और भेड़ों से भरे एक मैदान तक पहुंच गईं। उन्होंने बताया कि 'बनेट स्टेन' नामक चट्टान तक पहुंचने के लिए की गई छोटी-सी चढ़ाई भी उनके लिए बेहद रोमांचक और यादगार अनुभव रही।

विदेश में रहना है तो संवाद को बेहतर बनाना होगा : सना सईद

मुंबई (ए.)। सुपरहिट फिल्म कुछ कुछ होता है में शाहरुख खान की बेटी अंजलि के किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी अपनी शुरुआती कठिनाइयों का एक मार्मिक अनुभव साझा किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने 2016 में अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों की एक दिलचस्प घटना बताई। सना ने बताया, साल 2016 में मैं पहली बार अपनी पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने अनुभव को विस्तार से बताते हुए कहा, मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और साधारण सा पानी मांग रही थी, लेकिन मेरे उच्चारण के कारण वेटर समझ ही नहीं पाया। मैंने कई बार वॉटर कहा, लेकिन वह मुझे सोडा या कोक जैसी अन्य चीजें पेश करता रहा। उस दिन सना को गहरा एहसास हुआ कि यदि उन्हें अमेरिका जैसे देश में अपनी जिंदगी और करियर को आगे बढ़ाना है, तो उन्हें अपने संवाद के तरीके को बेहतर बनाना होगा, क्योंकि यहां सुना जाना ही सबसे जरूरी है। इसके बाद सना ने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर विशेष ध्यान देना शुरू किया। उन्होंने बताया कि इसके लिए उन्होंने बाकायदा प्रशिक्षण भी लिया। सना ने इस प्रक्रिया को आसान नहीं बताया। उनके अनुसार, किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के लहजे के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है, जिसमें बहुत समय, अथक मेहनत और लगातार अभ्यास की आवश्यकता होती है।

धोनी की कप्तानी में भारत का स्वर्णिम दौर, गांगुली का फैसला साबित हुआ अहम

नई दिल्ली । भारत के सबसे सफल कप्तानों का जिक्र होता है, तो महेंद्र सिंह धोनी का नाम इस लिस्ट में सबसे ऊपर आता है। धोनी ने अपने इंटरनेशनल करियर में हर वो बड़ी उपलब्धि हासिल की, जिसकी कल्पना एक क्रिकेटर करता है। बल्लेबाजी से लेकर कप्तानी तक में धोनी ने विश्व क्रिकेट में अपनी धाक जमाई और कई ऐसे मुकाम हासिल किए, जो हमेशा के लिए भारतीय क्रिकेट इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गए।

महेंद्र सिंह धोनी का जन्म 7 जुलाई, 1981 को रांची में हुआ। धोनी की क्रिकेट से पहचान उनके स्कूल के कोच केशव रंजन बनर्जी ने करवाई। दरअसल, स्कूल की क्रिकेट टीम में एक विकेटकीपर की जरूरत थी। कोच बनर्जी की नजर धोनी पर पड़ी, जो फुटबॉल में शानदार गोलकीपिंग कर रहे थे। उन्होंने धोनी को क्रिकेट टीम में बतौर विकेटकीपर जगह दी और इसके बाद माही का क्रिकेट के खेल से लगाव दिन-प्रतिदिन बढ़ता चल गया। लगातार अच्छे प्रदर्शन की वजह से धोनी को रेलवे में टिकट कलेक्टर की नौकरी मिली,जहां वह नौकरी के बाद मैदान पर भी जाकर खूब पसीना बहाते थे।

घरेलू क्रिकेट और फिर भारत ए की तरफ से दमदार प्रदर्शन के बाद धोनी को भारतीय नेशनल टीम से बुलावा आया। हालांकि, दिसंबर, 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई शुरुआती वनडे सीरीज में धोनी बुरी तरह से फ्लॉप रहे। 3 पारियों में धोनी सिर्फ 19 रन ही बना सके। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ पहले वनडे में भी धोनी सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए। 4 मैचों में लगातार नाकाम रहने के बाद हर किसी को लग रहा था कि धोनी को अगले मैच में ड्रॉप कर दिया जाएगा।

हालांकि, तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली ने धोनी पर अपना भरोसा कायम रखा और उन्होंने दूसरे वनडे मुकाबले में धोनी को नंबर तीन पर प्रमोट किया। इस मुकाबले में धोनी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 123 गेंदों में 148 रनों की विस्फोटक पारी खेलते हुए विश्व क्रिकेट में अपने नाम की सनसनी फैलाई। कप्तान गांगुली का एक फैसला धोनी के लिए वरदान साबित हुआ और इसके बाद उन्होंने पीछे मुडकर नहीं देखा। धोनी ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर भारत के लिए खेले कुल 538 मुकाबलों में 17,266 रन बनाए। टेस्ट में धोनी ने 6 और वनडे में 10 शतक लगाए।

बल्लेबाजी के साथ-साथ बतौर कप्तान धोनी का रिकॉर्ड बेमिसाल रहा। धोनी ने अपनी कप्तानी में भारत को साल 2007 में टी20 विश्व चैंपियन बनाया। इसके बाद धोनी की अगुवाई में ही भारतीय टीम ने साल 2008 में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर कॉमनवेल्थ बैंक सीरीज भी जीती। वहीं, साल 2011 में धोनी ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए भारत को वनडे विश्व कप का खिताब जिताया। 2013 में धोनी की ही कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड को फाइनल में हराते हुए चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती। धोनी दुनिया और भारत के इकलौते ऐसे कप्तान हैं, जिन्होंने तीन आईसीसी ट्रॉफी (टी20 और वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी) जीती है।

ऑस्ट्रेलिया की ऐतिहासिक जीत के साथ पैसों की बारिश, इंग्लैंड को भी मिला बड़ा इनाम

नई दिल्ली (आरएनएस)। लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर रिकॉर्ड सातवीं बार टी20 विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। चैंपियन बनने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम पर जमकर पैसों की बरसात भी हुई है।

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप 2026 की कुल प्राइज मनी में इस बार 10 प्रतिशत इजाफा किया था। प्राइज मनी को 87,64,615 डॉलर रखा गया था, जो भारतीय रुपये में तकरीबन 83.41 करोड़ बैठती है। सातवीं बार टी20 विश्व कप की ट्रॉफी उठाने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया टीम को 23,40,000 डॉलर की प्राइज मनी से नवाजा गया, जो भारतीय करेंसी के हिसाब से लगभग 22.27 करोड़ है।

वहीं, फाइनल तक का सफर तय करने वाली इंग्लैंड को 11,70,000 डॉलर की प्राइज मनी दी गई, जो भारतीय करेंसी के अनुसार, 11.13 करोड़ रुपये है। भले ही भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रही, लेकिन हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी ने भी इस टी20 विश्व कप में करोड़ों की कमाई की। भारतीय टीम को तकरीबन 2.35 करोड़ रुपये टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए मिलेंगे, जबकि ग्रुप स्टेज में तीन मैच जीतने के लिए भारत को 88.94 लाख रुपये दिए जाएंगे। यानी 3.23 करोड़ रुपये की प्राइज मनी भारतीय टीम को मिलेगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 : आखिरी वर्ल्ड कप में टूटा रोनाल्डो का सपना, स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर किया बाहर

नई दिल्ली (आरएनएस)। कुछ सपने अधूरे ही रह जाते हैं। तमाम कोशिशों और अथक मेहनत के बावजूद वे मुकाम तक नहीं पहुंच पाते। फुटबॉल के महान खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। फीफा विश्व कप-2026 के क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इसके साथ ही रोनाल्डो का विश्व कप जीतने का सपना हमेशा के लिए अधूरा रह गया।

मैच से एक दिन पहले 41 वर्षीय रोनाल्डो ने साफ कर दिया था कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। ऐसे में यह मुकाबला उनके लिए 'करो या मरो' जैसा था। हार के बाद जब वह नम आंखों के साथ मैदान से बाहर निकले तो स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों और दुनिया भर में मैच देख रहे उनके करोड़ों प्रशंसक भी भावुक हो उठे।

मुकाबला उम्मीद के मुताबिक बेहद रोमांचक और कांटे का रहा। दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया, वहीं रक्षा पंक्ति भी पूरी तरह सतर्क रही। निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। मैच का फैसला इंजुरी टाइम में हुआ, जब स्पेन के स्थानापन्न खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने शानदार गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद पुर्तगाल ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन स्पेन की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसकी एक न चली।

इस मुकाबले के साथ 2010 विश्व कप की यादें भी ताजा हो गईं, जब क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने पुर्तगाल को इसी 1-0 के अंतर से हराया था। उस वर्ष स्पेन ने पहली बार विश्व कप का खिताब भी अपने नाम किया था। रोनाल्डो ने अपने शानदार करियर में क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग हर बड़ा खिताब और व्यक्तिगत सम्मान हासिल किया, लेकिन विश्व कप ट्रॉफी उनके हाथ नहीं लग सकी। मैच समाप्त होने के बाद उनकी आंखों में छलकते आंसू इस अधूरे सपने का दर्द साफ बयां कर रहे थे।

मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने दबाव बनाया। तीसरे मिनट में डानी ओल्मो के पास पर मिकेल ओयारजाबाल को पहला मौका मिला, लेकिन उनका शॉट गोलपोस्ट के बाहर चला गया। इसके बाद पुर्तगाल के गोलकीपर डियोगो कोस्टा ने यामाल और एलेक्स बाएना के शानदार प्रयासों को विफल कर अपनी टीम को राहत दिलाई। पुर्तगाल ने भी जवाबी हमला किया। 41वें मिनट में नूनो मेंडेस का जोरदार लेफ्ट फुट शॉट पेड्रो पोरो से टकराकर क्रॉसबार के ऊपर निकल गया। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में असफल रहीं।

दूसरे हाफ की शुरुआत में पुर्तगाल ने आक्रामक रुख अपनाया और स्पेन पर लगातार दबाव बनाया। रोनाल्डो ने भी कुछ अच्छे प्रयास किए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। 76वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस का दमदार शॉट साइड नेट में जाकर लगा, जबकि डानी ओल्मो के एक और खतरनाक प्रयास को रूबेन डियास ने शानदार तरीके से रोक दिया।

युवराज को पिता के बयानों के लिए माफी मांगने की जरुरत नहीं : कपिल

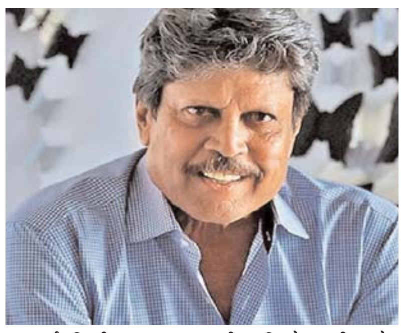

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा कि युवराज सिंह को अपने पिता योगराज सिंह के विवादित बयानों को लेकर माफी मांगने की कोई जरुरत नहीं है। योगराज ने कई अवसरों पर कपिल को लेकर कई आरोप लगाए थे और कहा था कि उन्हें कपिल ने ही पहले नॉर्थ जोन फिर हरियाणा और अंत में भारतीय टीम का कप्तान बनने के बाद टीम से बाहर करवाना और उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त किया था। उन्होंने यहां तक कहा था कि उनके बेटे युवराज के पास कपिल से अधिक ट्राफियां हैं। पिता के इस प्रकार के बयानों के लिए युवराज ने कपिल से मांफी मांगी थी। कपिल ने युवराज की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, युवराज को माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं है। वह एक महान क्रिकेटर हैं, जिन्होंने खेल को बेहद लोकप्रिय बनाया है। रिकॉर्ड बनते-टूटते रहते हैं पर जिस में युवराज खेले, लोगों ने उन पर खूब प्यार लुटाया।

कपिल ने योगराज को अपने बचपन का दोस्त बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें कठोर स्वभाव के लोग पसंद नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जिंदगी में बहुत कुछ होता है, लेकिन व्यक्ति को हमेशा आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही कहा कि योगराज के बेटे ने देश के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें खुश रहना चाहिए। साथ ही कहा कि किसी व्यक्ति का स्वभाव उसकी प्रतिक्रिया से पता चलता है। उन्होंने कहा, आपको जिंदगी में सब चीजें नहीं मिलतीं पर उसके कारण किसी को भी कुछ भी कह देन ठीक नहीं है। अउकर कोई उग्र प्रतिक्रिया दे तो आप क्या करेंगे।

23 जुलाई से शुरु होंगे राष्ट्रमंडल खेल, भारोत्तोलक मीराबाई चानू पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (ए.)। भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का ध्यान अब 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर है। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

अफगानिस्तान के पूर्व तेज़ गेंदबाज़ जादरान का निधन

नई दिल्ली (ए.)। अफगानिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शापूर जादरान का निधन हो गया है। जादरान 38 साल के थे और पिछले काफी समय से एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी, हेमोफैगोसिटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस से पीडित थे। इसी का इलाज कराने वह भारत आये थे और और पिछले कई महीनों से दिल्ली-एनसीआर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने भी उनकी मृत्यु की पुष्टि की, जिससे क्रिकेट जगत और विशेषकर अफगान क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

गौरतलब है कि जादरान ने साल 2009 से 2020 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। उन्होंने अफगानिस्तान के लिए 44 एकदिवसीय और 36 ट्वेंटी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिनमें क्रमशः 43 और 37 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। वे अफगानिस्तान क्रिकेट की शुरुआती यात्रा के केंद्र में रहे और देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से एक थे।एसीबी ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर जादरान के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बोर्ड ने कहा, शापूर अफगानिस्तान क्रिकेट की नींव रखने वाले खिलाड़ियों में से एक थे। उनके समर्पण, जुनून और अटूट प्रतिबद्धता ने हमारे देश में इस खेल के आगे बढ़ने में अहम भूमिका निभाई। वह उन खिलाड़ियों में से थे जिन्होंने वो रास्ता बनाने में मदद की जिसने अफगान क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया। बोर्ड ने आगे कहा कि अपने पूरे करियर में शापूर ने सम्मान, हिम्मत और गर्व के साथ अफगानिस्तान क्रिकेट की सेवा की। उनका योगदान और उपलब्धियां हमेशा अफगानिस्तान क्रिकेट के इतिहास का एक अहम हिस्सा रहेंगी। बोर्ड ने यह भी बताया कि मैदान पर अपनी उपलब्धियों के अलावा, शापूर कई युवा अफगान क्रिकेटरों और दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए प्रेरणा का एक सच्चा स्रोत थे। उनके लड़ने के जज्बे, पक्के इरादे और खेल के प्रति प्यार ने कई लोगों को उम्मीद दी और एक पीढ़ी को बड़े सपने देखने और अफगानिस्तान क्रिकेट के भविष्य पर भरोसा करने के लिए हौसला दिया। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उनके परिवार, दोस्तों, चाहने वालों, पूर्व साथियों और पूरे अफगान क्रिकेट समुदाय के प्रति अपनी गहरी संवेदना और हमदर्दी जाहिर की।

छत्तीसगढ़ समाचार

गनियारी स्कूल का नाम पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई के नाम पर होगा

रायपुर,(आरएनएस)। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विश्वविख्यात पंडवानी गायिका,पद्मविभूषण से सम्मानित एवं छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की अप्रतिम धरोहर डॉ. तीजन बाई के गृहग्राम गनियारी स्थित निवास पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत वे उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए तथा दाह संस्कार कार्यक्रम तक उपस्थित रहकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने घोषणा किया कि उनके गृहग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी के नाम से किया जाएगा। शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला-साधना, ओजस्वी वाणी और आजीवन समर्पण के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के एक स्वर्णिम अध्याय का अवसान है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों एवं असंख्य प्रशंसकों को इस दु:ख की घड़ी में संबल देने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री साय 8 जुलाई को करेंगे डूमरतराई के नवीन थोक बाजार का नामकरण एवं लोकार्पण

प्रदेशवासियों एवं व्यापारियों को मिलेगा आधुनिक, सुव्यवस्थित और विश्वस्तरीय व्यापारिक परिसर

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा रायपुर के डूमरतराई में विकसित अत्याधुनिक नवीन थोक बाजार का नामकरण एवं लोकार्पण समारोह अब 8 जुलाई 2026 को आयोजित किया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इस आधुनिक व्यापारिक परिसर का लोकार्पण एवं नामकरण कर इसे प्रदेशवासियों और व्यापारियों को समर्पित करेंगे। समारोह की अध्यक्षता आवास एवं पर्यावरण, वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम पूर्व में 5 जुलाई 2026 को प्रस्तावित था, किन्तु अपरिहार्य कारणों से इसे स्थगित कर दिया गया था। अब यह समारोह 8 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर लगभग 36 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह अत्याधुनिक थोक बाजार व्यापारियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। परिसर में चौड़ी सड़कें, पर्याप्त पार्किंग, सुगम यातायात व्यवस्था, सुव्यवस्थित व्यापारिक अवसंरचना तथा आवश्यक नागरिक सुविधाओं का समुचित प्रावधान किया गया है। यह बाजार रायपुर सहित पूरे प्रदेश के व्यापारिक विकास को नई दिशा देने के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करेगा। डूमरतराई व्यापारिक परिसर का विकास चरणबद्ध रूप से किया गया है। प्रथम चरण में लगभग 76 करोड़ रुपये की लागत से 536 व्यावसायिक दुकानें एवं हॉल निर्मित किए गए, जिससे व्यापारियों को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित व्यावसायिक सुविधाएँ उपलब्ध हुईं।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से स्वच्छ ऊर्जा अपनाकर ग्राम पंचायत सचिव बने प्रेरणा स्त्रोत

राजनांदगांव (आरएनएस)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना नागरिकों को स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ-साथ बिजली व्यय में कमी लाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। जनपद पंचायत छुरिया में कार्यरत ग्राम पंचायत रामपुर के सचिव रामलखन मण्डावी एवं ग्राम पंचायत जोंधरा के सचिव अर्जुन सिंह ठाकुर ने अपने निजी आवास पर 3-3 किलोवाट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर प्लांट स्थापित कर इस योजना का लाभ उठाया है। उनकी यह पहल अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणादायी बन रही है।

रामलखन मण्डावी ने बताया कि उन्होंने पीएम सूर्य घरमुफ्त बिजली योजना के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया। विद्युत विभाग से आवश्यक स्वीकृति मिलने के बाद अधिकृत विक्रेता द्वारा उनके घर पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर प्लांट एवं नेट मीटर स्थापित किया गया। योजना के अंतर्गत उन्हें केंद्र एवं राज्य शासन से कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे सोलर प्लांट की स्थापना लागत में कमी आई। उन्होंने बताया कि सोलर प्लांट स्थापित होने के बाद उनके घर की अधिकांश बिजली आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है।

नगर निगम के खिलाफ ठेकेदारों का हल्लाबोल

रायपुर, (आरएनएस)। रायपुर नगर निगम में बकाया भुगतान और कथित कमीशनखोरी को लेकर ठेकेदारों का आक्रोश सोमवार को सड़कों पर नजर आया। सिविल ठेकेदार संघ के बैनर तले ठेकेदारों ने नगर निगम मुख्यालय के सामने काम बंद कर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि बिना कमीशन दिए भुगतान की फाइलें आगे नहीं बढ़ाई जा रही हैं।

ठेकेदारों का दावा है कि निगम पर 100 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान लंबित है। कई ठेकेदारों को छह महीने से लेकर डेढ़ साल तक भुगतान नहीं मिला है। उनका कहना है कि बैंक से कर्ज लेकर काम करने वाले ठेकेदार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, जबकि निगम में भुगतान के लिए कथित तौर पर अलग-अलग स्तर पर कमीशन की मांग की जाती है।

प्रदर्शन के दौरान ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि हर फाइल का अलग रेट तय है और 30 से 40 प्रतिशत तक कमीशन मांगा जाता है। उनका यह भी आरोप है कि अधिकारियों, जोन अध्यक्षों और जनप्रतिनिधियों के स्तर पर भी भुगतान के लिए हिस्सेदारी तय रहती है। साथ ही, अधिकारियों पर मुफ्त में अतिरिक्त काम कराने और बाद में देरी का ठीकरा ठेकेदारों पर फोड़ने का आरोप लगाया गया।

बाघ खाल की तस्करी में शामिल मिले आत्मसमर्पित नक्सली

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के इंद्रावती टाइगर रिजर्व (आईटीआर) में बाघ की खाल और कंकाल की तस्करी से जुड़े बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। वन विभाग, वाइल्डलाइफक्राइम कंट्रोल ब्यूरो, यूएसटीआर की एंटी पोचिंग स्क्वॉड और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच के दौरान तीसरी बाघ की खाल भी बरामद की गई है, जबकि एक और खाल की तलाश जारी है।

जांच में सामने आया है कि तस्करी के इस सिंडिकेट में महाराष्ट्र के दो आत्मसमर्पित नक्सली भी शामिल थे। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, वन्यजीव अपराध के किसी मामले में आत्मसमर्पित नक्सलियों की संलिप्तता पहली बार सामने आई है। आशंका है कि जंगलों की गहरी जानकारी का फायदा उठाकर तस्करों ने उन्हें अपने नेटवर्क से जोड़ा।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी में हज-2027 के ऑनलाइन आवेदन हेतु निःशुल्क ई-सुविधा केंद्र शुरु

रायपुर, (आरएनएस)। हज 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। हज यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी ने मुखर्जी बड़ा, बैरन बाजार स्थित अपने कार्यालय में नि:शुल्क ई-हज सुविधा केंद्र प्रारंभ किया है।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग ने आज बताया कि इस केंद्र के माध्यम से हज 2027 के इच्छुक आवेदकों के ऑनलाइन आवेदन नि:शुल्क भरे जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन श्री बेग ने बताया कि अनेक आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन भरने में कठिनाई होती है। ऐसे में समय सीमा के भीतर आवेदन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से यह विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास 31 दिसंबर 2027 तक वैध पासपोर्ट होना अनिवार्य है।

श्री बेग ने हज यात्रा के इच्छुक सभी आवेदकों से निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व अपना ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी कार्यालय में इसके लिए एक विशेष काउंटर स्थापित किया गया है, जहां आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर आवेदक अपना ऑनलाइन आवेदन भरवा सकते हैं। अधिक जानकारी अथवा ऑनलाइन आवेदन संबंधी सहायता के लिए कार्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी, मुखर्जी बड़ा, बैरन बाजार, रायपुर अथवा दूरभाष क्रमांक 0771-4266646 पर संपर्क किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में बारिश बनी आफत, अगले 24 घंटे पड़ेंगे बेहद भारी, 8 जुलाई से पहले नहीं मिलेगी राहत

बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम से प्रदेश में झमाझम, 48 घंटे में भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर, (आरएनएस)। बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब और मानसूनी द्रोणिका के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में बारिश ने जोर पकड़ लिया है। रविवार को मध्य छत्तीसगढ़ के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई। राजधानी रायपुर में 154.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि दुर्ग में 181 मिलीमीटर और राजिम में 185.8 मिलीमीटर बारिश ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। रायपुर में रात भर बारिश हुई है। सुबह से ही रिमझिम बारिश हो रही है। यह बारिश किसानों के लिए बेहद राहत भरी है। खेतों में पानी जमा होने से धान की बोनी का कार्य तेज हो गया है।

हालांकि, प्रदेश के कुछ हिस्सों में अभी भी कम बारिश हुई है। पिछले 36 घंटे से हो लगातार मूसलाधार बारिश ने पूरे प्रदेश में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर रफ्तार से हवाओं ने ने कहर मचाया हैं। कहीं सड़कें बह गई, कहीं लोग बाढ़ के पानी में फंस गए, जिन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला जा रहा हैं। जिलों में नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही है। कई एनीकट से ऊपर से पानी बह रहा है। दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालयों से संपर्क टूट चुका है।

8 जुलाई से पहले राहत नहीं

मौसम विभाग ने साफ कर दिया है कि 8 जुलाई से पहले राहत मिलने के आसार कम है। लगातार 36 घंटे से हो रही बारिश ने निर्माण कार्यों के गुणवत्ता की भी पोल खोल दी है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सड़के टूट गई हैं, पुल-पुलियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। राजनांदगांव के रेलवे ओवर ब्रिज की सड़क बीचो-बीच फट गई, वहीं जिला अस्पताल में पानी मरीजों के बेड तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने निकले इलाके में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने, अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम विभाग की एडवाजरी का पालन करने की अपील की है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के लिए मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने और खराब मौसम में नदी-नालों के पास जाने से बचने की सलाह दी है। विभाग का अनुमान है कि 8 जुलाई के बाद बारिश की तीव्रता में कुछ कमी आ सकती है, जिससे स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। रविवार को मध्य छत्तीसगढ़ के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटे तक प्रदेश के मध्य और उत्तरी हिस्सों में तेज बारिश, गरज-चमक और वज्रपात की संभावना बनी रहेगी। राजधानी समेत कई जिलों में दिनभर बादल छाए रहे और तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग का कहना है कि आठ जुलाई के बाद बारिश की तीव्रता और फैलाव में कमी आ सकती है।भारी बारिश के कारण प्रदेश के कई अंदरूनी इलाकों का मुख्यधारा से संपर्क कट गया है। रपटों के ऊपर से पानी बह रहा है तो कहीं नदी पुल के ऊपर से बह रही है। राजमार्ग पर भी जल जमाव होने के समाचार हैं।राजधानी में 154.4 मिलीमीटर, रायपुर सिटी में 153.1, माना एयरपोर्ट में 138.3 और गोबरानवापारा में 143.7 वर्षा हुई। दुर्ग जिले में 181 मिलीमीटर, पाटन में 144.8, भिलाई में 115.5, राजिम में 185.8, राजनांदगांव में 146, छुरा में 158.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बालोद, महासमुंद और धमतरी में भी झमाझम बालोद जिले के अर्जुंदा में 126.5 मिलीमीटर और गुंडरदेही में 118.7 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड हुई।

प्रशासन का उद्देश्य केवल प्रतिबंध लगाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की सुरक्षा करना है : कलेक्टर

जोखिमपूर्ण स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

कलेक्टर ने कोलार डेम, अमरगढ़ वॉटरफॉल और मिडघाट का किया निरीक्षण

सीहोर(निप्र)। वर्षाकाल में जिले के पर्यटन स्थलों, झरनों एवं बांधों पर संभावित दुर्घटनाओं को रोकने और सुरक्षा के सभी इंतजाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर बालागुरू के. ने इछावर स्थित कोलार डैम, बुधनी के अमरगढ़ वॉटरफॉल, और मिडघाट का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। वर्षा के दौरान जोखिम वाले सभी स्थलों पर लगाए गए प्रतिबंधों का पूरी सख्ती से पालन कराया जाए तथा किसी भी व्यक्ति को प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश न करने दिया जाए। कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि बारिश के मौसम में नदियों, झरनों एवं बांध-तालाबों कुछ क्षणों में पानी का बहाव अत्यधिक तेज हो जाता है, जिससे लोगों के फंसने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका रहती है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए तथा सभी संवेदनशील स्थलों पर प्रभावी निगरानी रखी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पर्यटन एवं प्राकृतिक स्थलों पर चेतावनी बोर्ड स्पष्ट रूप से लगाए जाएं, बैरिकेडिंग मजबूत रखी जाए तथा जहां आवश्यक हो वहां अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाए। साथ ही पुलिस, राजस्व एवं वन विभाग आपसी समन्वय के साथ नियमित गश्त करें और ऐसे स्थानों पर पहुंचने वाले लोगों को संभावित खतरों के प्रति लगातार जागरूक भी करें।

कोलार डेम पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश

इछावर स्थित कोलार डेम के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वहां की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि डैम क्षेत्र में वर्तमान में छह सुरक्षा गार्ड तैनात हैं। वन विभाग द्वारा जोखिमपूर्ण क्षेत्रों में आमजन की आवाजाही रोकने के लिए जाली लगाने तथा ट्रेंच खोदने का कार्य किया गया है, जिससे लोग जोखिम वाले स्थानों तक न पहुंच सकें।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अवगत कराया कि यदि डैम क्षेत्र में नाव के माध्यम से नियमित पेट्रोलिंग की जाए तो दुर्घटना संभावित स्थानों पर अधिक प्रभावी ढंग से निगरानी रखी जा सकती है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को निर्देश दिए कि नाव से नियमित पेट्रोलिंग की व्यवस्था की जाए तथा नाव के साथ प्रशिक्षित तैराक की भी अनिवार्य रूप से तैनाती की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके। उन्होंने कहा कि केवल सुरक्षा कर्मियों की तैनाती पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सक्रिय उपस्थिति और नियमित गश्त भी सुनिश्चित की जाए, जिससे कोई भी व्यक्ति सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी कर प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश न कर सके। कोलार डैम के निरीक्षण के दौरान इछावर एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा, तहसीलदार गजेंद्र लोधी, ललित सोनी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अमरगढ़ वॉटरफॉल एवं मिडघाट में संयुक्त रूप से रखें निगरानी

बुधनी के अमरगढ़ वॉटरफॉल एवं मिडघाट के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन स्थलों पर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ये स्थल वन क्षेत्र से लगे हुए हैं तथा वर्षाकाल में यहां पानी का बहाव अत्यंत तेज हो जाता है। इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। उन्होंने वन विभाग, राजस्व विभाग तथा पुलिस के अधिकारियों को संयुक्त रूप से लगातार निगरानी रखने तथा नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

मरदानपुर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के 31 गांवों में आज पेयजल आपूर्ति रहेगी बाधित

सीहोर(निप्र)। मरदानपुर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना की टंकी भरने वाली 400 मिलीमीटर व्यास की डीआई पाइपलाइन भेसान एवं सिराली के मध्य सीपीटी खुदाई कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई है। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण 08 जुलाई को योजना से जुड़े 31 गांवों में पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। प्रभावित गांवों में सिराली, मोगराखेड़ा, भिलाई, मरियाडोह, टीकामोड़, मंगरोल, बावड़ीखेड़ा, रतनपुर, झाली, नवलगांव, सेवनिया, लाडकुई, सुनेड़, सिंहपुर, कोसमी, संकोटा, रफीकगंज, कुरी नयापुरा, पांगरी, बसंतपुर, मेलाबाई, घुटवानी, पिपलानी, फुंदकी, इटावा खुर्द, डोगलापानी, बेड़ापानी, किशनपुर, हमीदगंज, बोरखेड़ा कुराड़ तथा जाट मुहाई शामिल हैं। क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है।

साईं नाथ पालकी यात्रा की तैयारियां शुरु, लोकेन्द्र वर्मा बने अध्यक्ष

गुरु पूर्णिमा पर 29 जुलाई को निकलेगी भव्य साईं पालकी यात्रा, बैठक में पदाधिकारियों की घोषणा

सीहोर (निप्र)। आगामी 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर निकाली जाने वाली भव्य साईं नाथ पालकी यात्रा की तैयारियों को लेकर सोमवार शाम आर.के. पैलेस गार्डन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी सेवा यादव ने की। बैठक में यात्रा को भव्य, सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा विभिन्न जिम्मेदारियों का वितरण किया गया।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष की साईं पालकी यात्रा का नेतृत्व नगर के सक्रिय जनप्रतिनिधि एवं पार्षद लोकेन्द्र वर्मा करेंगे। यात्रा के संस्थापक बृजमोहन सोनी, पूर्व अध्यक्ष छगन यादव, पार्षद अर्जुन राठौर सहित सभी वरिष्ठ सदस्यों की सहमति से लोकेन्द्र वर्मा को वर्ष 2026 की साईं पालकी यात्रा समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष प्रतिवेदक ने अनेक विभागों की समीक्षा कर विकास से जुड़े विषयों पर दिए महत्वपूर्ण सुझाव

सीहोर(निप्र)। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष प्रतिवेदक सुभाष चन्द्र ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अनेक विभागों की बैठक आयोजित कर मानवाधिकारों से जुड़े विषयों, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों की गतिविधियों की जानकारी ली तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से सुझाव भी लिए। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के., पुलिस अधीक्षक श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने जिले में संचालित प्रमुख विभागीय गतिविधियों एवं योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में विशेष प्रतिवेदक सुभाष चन्द्र ने रोजगार सृजन, युवाओं के कौशल विकास, नवीन तकनीकों पर आधारित प्रशिक्षण तथा कृषि में आधुनिक तकनीकों के उपयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए युवाओं को नई-नई स्किल से जोड़ने तथा रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। उन्होंने सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचाने की आवश्यकता पर भी अपने विचार व्यक्त किए।

वेदी प्रतिष्ठा एवं विश्व शांति महायज्ञ महोत्सव 2026

वेदी प्रतिषा महोत्सव के द्वितीय दिवस श्री याग मंडल महायज्ञ विधान मे 254 महाअर्घ श्रध्दालुओ ने समर्पित किए

मनुष्य दो पैरो के गधे हो गये : मुनिश्री निर्णय सागर जी

सीहोर(निप्र)। अतिशय क्षेत्र श्री चंद्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर स्थित कस्बा मे नवीन वेदी प्रतिष्ठा, विश्व शांति महायज्ञ महोत्सव के द्वितीय दिवस मुनि श्री निर्णय सागर जी महाराज छुल्लक श्री तत्व सागर महाराज ससंघ के सानिध्य मे प्रतिष्ठाचार्य श्री विमल भैय्या जी , ब्रह्मचारी अमन भैय्या जी को निर्देशन मे संगीतकार धर्मवीर के मधुर संगीत के साथ प्रात: तीर्थंकर भगवान कि प्रतिमा के अभिषेक शांतिधारा नित्य नियम पूजन, कर याग महामंडल विधान मे श्रध्दालुओ ने इंद्र इंद्रणी के रूप मे महाअर्घ समर्पित किए । धर्म सभा मे मुनि श्री निर्णय सागर जी महाराज ने श्रध्दालुओ को अमृत वाणी से संबोधित करते हुए प्रवचन मे काल्पनिक दृष्टांत सुनाते हुए कहां किमाना कि भगवान ने दुनिया मे चार जीव बनाए।सर्व प्रथम गधा बनाया गधे ने पूछा मेरी उम्र कितनी होगी तब भगवान ने कहां 40 वर्ष पुन: पूछा काम क्या मालिक का बोझ ढोना ,पंचम स्वर मे आवाज निकालना गधा घबरा गया बोला मेरी उम्र कम करो 20 वर्ष कर दी फिर कुत्ते बनाया उम्र 40 वर्ष, काम भोकना रखवाली करना उसने कहा उम्र कम करो20 वर्ष कर दी फिर उल्लू बनाया उम्र 40 वर्ष काम दिन मे दिखेगा नही अंधे होकर रहो रात मे विचरण करो घबरा गया उम्र कम करो 20 वर्ष कर दी अंत मे मनुष्य बनाया , पूछा उम्र 40 वर्ष काम सब पर राज्य करोगे, बुध्दिमान माने जाओगे उसको लोभ आ गया कहा मनुष्य ने कहा उम्र बढाओ ,भगवान ने कहा इतनी ही रखो लोभ न करो । मनुष्य नही माना भगवान ने कहा सोच लो । गधे की उम्र 20 वर्ष दे दी और फिर 20 वर्ष गधे की उम्र दे दी और फिर 20 वर्ष गधे की उम्र फिर और कहा तो उल्लू को वर्ष उम्र देकर मनुष्य की उम्र 100 वर्ष कर दी ।मुनि श्री आगे विस्तार से प्रकाश डालते हुए यथार्थ से अवगत कराया कीयद्यपि जीव अपने द्वारा ही उम्र अर्थात आयु प्राप्त करता है पर हमारी हमारी दशा समझने को यह काल्पनिक उदाहरण दिया है । सही जीवन तो प्रारंभ का 40 वर्ष होता हे । उस उम्र मे कल्याण करना बड़ा आसान होता है । बाद मे परिवार, व्यापार की जिम्मेदारी बढने से गधे की तरह बोझा ढोता है ,फिर कुत्ते की तरह खांसता रहता है । फिर 80 वर्ष के बाद आंखे काम नही करती है,अंधा हो जाता है।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर शिविर लगाकर किया गया 1291 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर(निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 07 जुलाई को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 926 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 368 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 235 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

एसडीएम एवं एसडीओपी ने की बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा

सीहोर(निप्र)। आष्टा एसडीएम महेंद्र प्रताप सिंह किरार एवं एसडीओपी दामोदर गुप्ता ने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर बाढ़ आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों को बाढ़ संभावित क्षेत्रों में सतत निगरानी, राहत-बचाव दलों को तैयार रखने और कंट्रोल रूम सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने नदी-नालों, पुल-पुलियों और जलभराव वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने को कहा, जबकि एसडीओपी ने संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त, बैरिकेडिंग और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रशासन ने नागरिकों से नदी, नालों, रपटों और जलभराव वाले स्थानों से दूर रहने तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तुरंत देने की अपील की है।

सीहोर में गूंजेगी छात्रों की गूंज, 14-15 जुलाई को जीतू पटवारी के नेतृत्व में निकलेगी युवा स्वाभिमान यात्रा

- पहले दिन आष्टा तो दूसरे दिन आएगी सीहोर, कोतवाली चौराहा पर होगी जनसभा

सीहोर(निप्र)। प्रदेश के युवाओं, छात्रों और किसानों की आवाज बुलंद करने के लिए मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में युवा स्वाभिमान यात्रा 'छात्रों की गूंज' निकलने जा रही है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने बताया कि यह दो दिवसीय यात्रा 14 और 15 जुलाई को जिले के विभिन्न मार्गों से गुजरेगी, जिसका समापन भोपाल में मुख्यमंत्री आवास के घेराव के साथ होगा। यात्रा को लेकर जिला कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं और सभी विभागों व प्रकोष्ठों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती के अनुसार इंदौर, देवास और सोनकच्छ से होते हुए यह यात्रा सीहोर जिले की सीमा में प्रवेश करेगी। 14 जुलाई को पहले यह यात्रा दौलतपुर, सरहद्दी, मेहतवाड़ा, जावर जोड़, डोडी होते हुए आष्टा पहुंचेंगे। इस दौरान जावर जोड़ पर ग्रामीण छात्र-छात्राएं एवं चुनौतियां विषय पर सीधा संवाद कार्यक्रम होगा। जबकि आष्टा के पुराना दशहरा मैदान स्थित गोकुलधाम गार्डन में सांस्कृतिक कार्यक्रम और युवा संवाद के बाद यात्रा का रात्रि विश्राम आष्टा में ही होगा।जिलाध्यक्ष गुजराती ने बताया कि अगले दिन 15 जुलाई को यात्रा कोठरी से चलकर अमलाहा, सौंडा, नापली, मुगीसपुर, इंदौर नाका, बढियाखेड़ी, लीसा टॉकीज चौराहा, बड़ा बाजार, मेन रोड, कोतवाली चौराहा पहुंचेगी। कोतवाली चौराहे पर विशाल युवा स्वाभिमान जनसभा का आयोजन किया जाएगा, जिसे प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। जनसभा के बाद यात्रा आनंद डेरी चौराहा, बस स्टैंड, बैंक ऑफ बड़ौदा, सेकड़ाखेड़ी रोड और फंदा टोल टैक्स होते हुए भोपाल की ओर बढ़ेगी, जहां कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती ने जिले के सभी युवा साथियों, छात्र-छात्राओं, किसान भाइयों और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सहित आम जनता से इस यात्रा में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा प्रदेश में शिक्षा के गिरते स्तर, बेरोजगारी और युवाओं के स्वाभिमान की लड़ाई है।

बहुजन समाजपार्टी की विधानसभा स्तरीय संगठन समीक्षा बैठक सम्पन्न

बसपा ही दिलाएगा समान अधिकार: कमलेश कुमार

सीहोर(निप्र)। बहुजन समाजपार्टी सीहोर की विधानसभा स्तरीय संगठन समीक्षा बैठक खण्डवा जोड़ मैरिज गार्डन में रखी गई बैठक के मुख्यातिथि जियालाल अहिरवार प्रदेश प्रभारी बसपा एवं विषेश अतिथि एडवोकेट कमलेश कुमार जोन प्रभारी बसपा भोपाल रहे,बैठक में विधानसभा के संगठन की समीक्षा जियालाल ने बारीकी से समीक्षा कर दिशा निर्देश दिए की सेक्टर के बाद हमें पोलिंगो पर मजबूत कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देनी है, अगर कोई पदाधिकारी निष्क्रिय है उसे तत्काल बदलें ,जो पदाधिकारी किसी कारणवश सक्रिय नहीं रह सकते वे कार्यकर्ता बनकर कार्य करें और जो अच्छा कार्य कर रहे हैं उनका सहयोग करें, और विषेश अतिथि के रूप में उपस्थित एडवोकेट कमलेश कुमार ने कहा कि सीहोर में बसपा मजबूत विकल्प बनती है तो कांग्रेस को कोई वोट नहीं देगा और वर्तमान भाजपा सरकार में जो लूट मजी है क्षेत्र एवं देशवासी सब समझ रहे हैं हर स्तर पर लूट मची है, भाजपा ने जिस भगवान राम के नाम पर सरकार बनाई उनके मंदिर को ही लुटवा दिया वो देशवासियों और देश को क्या सुरक्षित रखेंगे, हमें ऐसी सरकार का सच जनता के सामने लाकर इनकी जनविरोधी नितियों का भांडा फोड़ करना होगा और बसपा की सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाएं की नीति को जन जन तक पहुंचा कर बसपा की सरकार बनाना है तो इसके लिए संगठन मजबूत जरूरी है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष संजीव बौद्ध, पूर्व जिला प्रभारी अनोखीलाल मालवीय,डी. बी. बड़ोदिया जिला सचिव ने भी बैठक में आवश्यक सुझाव रखे ,बैठक की अध्यक्षता धीरब अहिरवार विधानसभा अध्यक्ष ने की बैठक में प्रमुख रूप से धनराज सिंह थरेले, नवीन भैरवे, थान सिंह अहिरवार, कृपाल अहिरवार, देवपकाश वर्मा,बने सिंह नेताजी, विक्रम सूर्यवंशी, देवराज मालवीय,कमल कोरवे आदि कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ज्योति और विजेन्द्र का नेशनल रैफरी के लिए चयन

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर सालों से फुटबाल की बारीकियों के अलावा अनेक बार राष्ट्रीय स्तर पर शानदार खेल का प्रदर्शन करने वाली ज्योति गौर और विजेन्द्र परमार का आल इंडिया फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित चयन प्रक्रिया में नेशनल रैफरी के रूप में चयन किया गया है।ज्योति गौर और विजेन्द्र परमार अब तक स्टेट रैफरी का दायित्व संभाल रहे थे। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया ने बताया कि ज्योति गौर और विजेन्द्र परमार स्टेट रैफरी के रूप में अनेक प्रतियोगिता में शामिल थे, वहीं उनके नेशनल रैफरी के रूप में चयनित होने पर खेल संगठनों और एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बधाई दी। बधाई देने वालों में मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के प्रेसिडेंट जीके श्रीवास्तव, सचिव अमित रंजन देव वाइस प्रेसिडेंट राकेश शर्मा, फुटबॉल एसोसिएशन के संरक्षक रमेश सक्सेना, अखिलेश राय, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष नरेश मेवाडा, विधायक सुदेश राय, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, जिला फुटबॉल एसोसिएशन मधुर विजयवर्गीय, कमलेश अग्रवाल, आनंद उपाध्याय, अरुण राठौर, मनोज दीक्षित मामा, मनोज कनौजिया, जिला खेल अधिकारी रूबीका दीवान, जिला खेल अधिकारी अत्ताउल्लाह खान एवं सभी खेल संघ आदि शामिल थे।

चर्च मैदान पर जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता सीहोर बाइज ने सीहोर चिल्ड्रन को 2-1 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर खिलाड़ियों को मंच देने के लिए हर साल की तरह इस साल भी स्व. कैलाश सारंग की स्मृति में जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को खेले गए जूनियर वर्ग के रोमांचक मैच में सीहोर बाइज ने सीहोर चिल्ड्रन को 2-1 से हराया। इस मैच में सीहोर बाइज की ओर से युवराज-आदित्य ने 1-1 गोल किया। इसके अलावा सीनियर वर्ग के मैच में आरएसआई को सीहोर क्लब ने 3-1 से हराया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि पहला मैच जूनियर वर्ग का खेला गया। इस रोमांचक मैच में सीहोर चिल्ड्रन की ओर से स्ट्राइकर आर्थव ने मैच के 15 वें मिनिट पर गोल को बढ़त दिलाई थी, लेकिन मैच के अंतिम समय में सीहोर बाइज की ओर से युवराज-आदित्य ने 1-1 गोल किया, जिससे सीहोर बाइज ने सीहोर चिल्ड्रन पर 2-1 से विजय हासिल की। वहीं सीनियर वर्ग के एक तरफा मुकाबले में सीहोर क्लब ने आरएसआई को 3-1 से हराया। इस मैच में सीहोर क्लब की ओर से पुष्प, ध्रुव और अदनान ने 1-1 गोल किया। इधर आरएसआई की ओर से एक मात्र गोल गर्वित ने किया।बुधवार की शाम को जूनियर वर्ग में सीहोर क्लब-एमजी क्लब सीहोर और सीनियर वर्ग में आरएसआई-डीएसवायडब्ल्यू के मध्य खेला जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com